PRGI No. UPHIN/25/A1697

गरवी गुजरात

गरवी गुजरात

PUBLISHED HINDI DAILY FROM LUCKNOW

वर्ष : 02
अंक : 031
दि. 31.05.2026, रविवार
पाना : 04
किंमत : 00.50 पैसा

पुलिस भर्ती में तकनीक आधारित निगरानी बढ़ाएं, पारदर्शिता से हो चयन: सीएम योगी के निर्देश

''

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने पुलिस भर्ती एवं प्रोन्नति बोर्ड के अधिकारियों को निर्देश दिए कि पुलिस भर्ती प्रक्रियाओं में तकनीक आधारित निगरानी को और सुदृढ़ किया जाए। साथ ही आरक्षण मानकों का पूर्ण पालन करते हुए पूरी पारदर्शिता, निष्पक्षता के साथ अभ्यर्थियों का चयन किया जाए। उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश पुलिस को और अधिक सक्षम, आधुनिक और प्रभावी बनाने की दिशा में यह वर्ष महत्वपूर्ण है, क्योंकि प्रदेश पुलिस बल में 81 हजार से अधिक पदों पर भर्ती प्रक्रिया संचालित है।

शुक्रवार को अपने सरकारी आवास पर पुलिस भर्ती एवं प्रोन्नति बोर्ड के कार्यों की समीक्षा के दौरान मुख्यमंत्री ने कहा कि भर्ती व पदोन्नति की सभी प्रक्रियाएं निर्धारित समय सीमा में पूरी हों। बैठक में अधिकारियों ने बताया कि वर्तमान में भर्ती बोर्ड के माध्यम से पुलिस के कुल 81,472 पदों पर भर्ती प्रक्रिया संचालित है।

मृतक आश्रित भर्ती के 201 पद शामिल

इनमें उप निरीक्षक नागरिक पुलिस एवं समकक्ष पदों के 4543, होमगार्ड के 41,424, आरक्षी नागरिक पुलिस व समकक्ष पदों के 32,679, कंप्यूटर आपरेटर ग्रेड-ए के 1352, उप निरीक्षक (गोपनीय) व पुलिस सहायक उप निरीक्षक (लिपिक एवं लेखा) के 537, प्रोग्रामर ग्रेड-2 के 55, रेडियो सहायक परिचालक के 44, कुशल खिलाड़ी भर्ती के 637 तथा मृतक आश्रित भर्ती के 201 पद शामिल हैं।

अधिकारियों ने बताया कि उप निरीक्षक नागरिक पुलिस के लिए दस्तावेजों की जांच व शारीरिक मानक परीक्षण जून में तथा अंतिम परिणाम जुलाई के तीसरे सप्ताह में प्रस्तावित है। होमगार्ड नामांकन-2025 के अंतर्गत दस्तावेजों की जांच व शारीरिक मानक परीक्षण जुलाई में, पीईटी अगस्त में और अंतिम परिणाम सितंबर के दूसरे सप्ताह में जारी किए जाने की तैयारी की गई है।

लिखित परीक्षा आठ, नौ व 10 जून को प्रस्तावित

इसी प्रकार आरक्षी व समकक्ष पदों की लिखित परीक्षा आठ, नौ व 10 जून को प्रस्तावित है। इस परीक्षा के लिए 28 लाख अभ्यर्थियों ने आवेदन किया है। इसका अंतिम चयन

परिणाम अक्टूबर 2026 के अंतिम सप्ताह तक घोषित करने का लक्ष्य रखा गया है। वहीं कुशल खिलाड़ी भर्ती के अंतर्गत सभी 25 खेल विधाओं में परीक्षण सम्पन्न हो चुका है। अंतिम परिणाम जून के दूसरे सप्ताह में प्रस्तावित है। अन्य तकनीकी व लिपिकीय संवर्गों की भर्तियों के लिए भी चरणबद्ध कार्यवाही जारी है।

वर्तमान में कुल 9406 पदों पर पदोन्नति प्रक्रिया संचालित

मृतक आश्रित भर्ती के मामलों को लेकर मुख्यमंत्री ने मानवीय और व्यवहारिक दृष्टिकोण अपनाने और नियमों को सरल बनाने के निर्देश दिए। बैठक में बताया गया कि वर्तमान में कुल 9406 पदों पर पदोन्नति प्रक्रिया संचालित है। वर्ष 2017 से मई 2026 तक भर्ती बोर्ड द्वारा विभिन्न संवर्गों में कुल 2,21,245 अभ्यर्थियों का चयन किया गया है। इसी अवधि में 1,60,819 पुलिस कार्मिकों को पदोन्नति प्रदान की गई है। मुख्यमंत्री ने कहा कि उत्तर प्रदेश पुलिस देश की सबसे बड़ी और महत्वपूर्ण पुलिस बलों में से एक है।

पीएम मोदी और नौसेना प्रमुख की मुलाकात; समुद्री सुरक्षा, नौसेना की रणनीति के साथ चुनौतियों पर चर्चा

(एजेंसी)।

नई दिल्ली, सेवानिवृत्ति से पहले भारतीय नौसेना प्रमुख एडमिरल दिनेश के त्रिपाठी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को हिंद महासागर क्षेत्र की सुरक्षा स्थिति, नौसेना की तैयारियों और समुद्री चुनौतियों की जानकारी दी। भारतीय नौसेना ने कहा कि वह हर परिस्थिति में देश के समुद्री हितों की रक्षा के लिए तैयार है। वहीं केंद्र सरकार ने वाइस एडमिरल कृष्णा स्वामीनाथन को अगला नौसेना प्रमुख नियुक्त किया है।

भारतीय नौसेना प्रमुख एडमिरल दिनेश के त्रिपाठी ने सेवानिवृत्ति से पहले प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात कर हिंद महासागर क्षेत्र यानी आईओआर की सुरक्षा स्थिति, नौसेना की ऑपरेशनल तैयारी और समुद्री क्षेत्र में उभरती चुनौतियों की जानकारी दी। भारतीय नौसेना ने कहा कि तेजी से बदलती तकनीक और समुद्री सुरक्षा के नए खतरे भारत के लिए बड़ी चुनौती बन रहे हैं। ऐसे में नौसेना हर परिस्थिति से निपटने के लिए पूरी तरह तैयार है। एडमिरल त्रिपाठी 31 मई को सेवा से सेवानिवृत्त हो रहे हैं।

प्रधानमंत्री मोदी से मुलाकात के दौरान एडमिरल दिनेश के त्रिपाठी ने हिंद महासागर क्षेत्र की मौजूदा सुरक्षा स्थिति पर विस्तार से चर्चा की। उन्होंने बताया कि समुद्री क्षेत्र में तेजी से बदल रही तकनीक, सुरक्षा चुनौतियां और रणनीतिक गतिविधियां भारत के लिए बेहद महत्वपूर्ण हैं। भारतीय नौसेना ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर कहा कि नौसेना एक 'युद्ध के लिए तैयार, भरोसेमंद, संगठित और भविष्य के लिए तैयार आत्मनिर्भर बल' के रूप में देश के समुद्री हितों की रक्षा के लिए प्रतिबद्ध है। नौसेना ने यह भी कहा कि भारत किसी भी समय, कहीं भी और किसी भी परिस्थिति में अपने समुद्री हितों की सुरक्षा करने में सक्षम है।

हिंद महासागर क्षेत्र भारत की समुद्री सुरक्षा और व्यापार के लिहाज से बेहद महत्वपूर्ण माना जाता है। दुनिया के बड़े व्यापारिक मार्ग इसी क्षेत्र से होकर गुजरते हैं। ऐसे में इस इलाके में बढ़ती सामरिक गतिविधियां और नई तकनीकी चुनौतियां भारत की चिंता बढ़ा रही हैं। नौसेना प्रमुख ने प्रधानमंत्री को बताया कि समुद्री क्षेत्र में तेजी से बदलते हालात पर लगातार नजर रखी जा रही है। भारत अपनी नौसैनिक क्षमता को आधुनिक तकनीक और आत्मनिर्भरता के जरिए मजबूत करने पर भी तेजी से काम कर रहा है।

एडमिरल त्रिपाठी ने प्रधानमंत्री मोदी को भारतीय नौसेना की ऑपरेशनल तैयारियों की भी जानकारी दी। उन्होंने बताया कि नौसेना हर तरह की चुनौती से निपटने के लिए लगातार अभ्यास और तकनीकी सुधार कर रही है।

समुद्री निगरानी, युद्ध क्षमता और इलेक्ट्रॉनिक सिस्टम को आधुनिक बनाया जा रहा है। नौसेना का फोकस आत्मनिर्भरता बढ़ाने और स्वदेशी तकनीक को मजबूत करने पर भी है। अधिकारियों के मुताबिक भारत की नौसेना अब भविष्य की चुनौतियों को ध्यान में रखते हुए खुद को तेजी से तैयार कर रही है।

नए नौसेना प्रमुख कौन होंगे?

केंद्र सरकार ने इसी महीने वाइस एडमिरल कृष्णा स्वामीनाथन को भारतीय नौसेना का अगला प्रमुख नियुक्त किया है। वह एडमिरल दिनेश के त्रिपाठी के सेवानिवृत्त होने के बाद पदभार संभालेंगे। वाइस एडमिरल कृष्णा स्वामीनाथन 31 जुलाई 2025 से पश्चिमी नौसेना कमान के 34वें फ्लैग ऑफिसर कमांडिंग-इन-चीफ के रूप में कार्यरत हैं।

लखनऊ में 31 मई तक गृहकर पर आठ प्रतिशत छूट का अंतिम अवसर, आनलाइन जमा करने 2 % विशेष छूट

लखनऊ, 30 मई (वार्ता) नगर निगम लखनऊ ने गृहकर जमा करने वाले करदाताओं के लिए विशेष छूट का लाभ उठाने के लिये 31 मई तक का अंतिम अवसर प्रदान किया है। वर्तमान में ऑनलाइन माध्यम से गृहकर जमा करने पर 8 प्रतिशत तथा ऑफलाइन भुगतान करने पर 6 प्रतिशत की छूट दी जा रही है।

नगर निगम के मुख्य कर निर्धारण अधिकारी अशोक सिंह ने बताया कि एक जून से छूट की दरों में कमी कर दी जाएगी। इसके बाद ऑनलाइन भुगतान पर 5 प्रतिशत तथा ऑफलाइन भुगतान पर 4 प्रतिशत की ही छूट उपलब्ध होगी। उन्होंने करदाताओं से अपील की है कि वे 31 मई तक गृहकर जमा कर अधिकतम छूट का लाभ उठाएं।

उपराष्ट्रपति श्री सी.पी. राधाकृष्णन ने पणजी में गोवा के 40वें राज्य स्थापना दिवस समारोह में भाग लिया

(एजेंसी)।

भारत के उपराष्ट्रपति श्री सी.पी. राधाकृष्णन ने आज पणजी में गोवा के 40वें राज्य स्थापना दिवस समारोह में भाग लिया।

उपराष्ट्रपति ने सभा को संबोधित करते हुए कहा कि गोवा को राज्य का दर्जा प्राप्त हुए चार दशक पूरे होने के इस महत्वपूर्ण अवसर पर गोवा के लोगों के साथ शामिल होना उनके लिए सौभाग्य की बात है। उन्होंने कहा कि भारत के उपराष्ट्रपति का पदभार ग्रहण करने के बाद यह गोवा की उनकी पहली आधिकारिक यात्रा है।

30 मई 1987 के ऐतिहासिक महत्व को याद करते हुए, जब गोवा भारत का 25वां राज्य बना, उपराष्ट्रपति ने कहा कि यह अवसर गोवा के लोगों की अनूठी पहचान, आकांक्षाओं और लोकतांत्रिक भावना की पुष्टि करता है। उन्होंने कहा कि गोवा विरासत और प्रगति, परंपरा और आधुनिकता, तथा स्थानीय गौरव और वैश्विक दृष्टिकोण का संगम है।

उपराष्ट्रपति ने शिक्षा, नागरिक चेतना और सामाजिक समावेशिता के प्रति गोवा के लोगों की प्रतिबद्धता की सराहना की। उन्होंने कहा कि लोगों की गर्मजोशी और आतिथ्य सत्कार गोवा को वास्तव में विशेष बनाते हैं और साक्षरता, स्वास्थ्य सेवा, पर्यावरण जागरूकता और मानव विकास में राज्य की उपलब्धियां राष्ट्र के लिए उदाहरण है।

उपराष्ट्रपति ने पूर्व मुख्यमंत्री श्री मनोहर परिकर को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए उन्हें एक दूरदर्शी नेता बताया जिनकी सादगी, ईमानदारी और समर्पण ने गोवा की प्रगति पर एक अमिट छाप छोड़ी।

उपराष्ट्रपति ने गोवा के मुख्यमंत्री डॉ. प्रमोद सावंत के नेतृत्व की सराहना करते हुए कहा कि उन्होंने राज्य को प्रगति और समृद्धि की ओर अग्रसर किया है।

राजधानी लखनऊ में नौसेना शौर्य वाटिका का लोकार्पण, राजनाथ सिंह बोले- सीएम योगी के नेतृत्व में बदली यूपी की पहचान

(एजेंसी)।

उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ में नौसेना शौर्य वाटिका का भव्य लोकार्पण रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने किया. इस अवसर पर आयोजित कार्यक्रम को संबोधित करते हुए रक्षा मंत्री एवं लखनऊ के सांसद राजनाथ सिंह ने कहा कि पहले उत्तर प्रदेश की पहचान वन डिस्ट्रिक्ट वन माफिया के रूप में होती थी, लेकिन आज वन डिस्ट्रिक्ट वन प्रोडक्ट के रूप में हो रही है.

उन्होंने कहा कि यह परिवर्तन उत्तर प्रदेश के जनप्रिय मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के मजबूत नेतृत्व का नतीजा है. कभी उत्तर प्रदेश की पहचान गुंडाराज और बिगड़ी हुई कानून व्यवस्था से होती थी. मुख्यमंत्री योगी के नेतृत्व में आज का उत्तर प्रदेश बदल चुका है. 19 करोड़ से लागत से 2 एकड़ से अधिक क्षेत्र में निर्मित नौसेना शौर्य वाटिका (नौसेना शौर्य संग्रहालय के द्वितीय चरण) का लोकार्पण किया गया है.

इस अवसर पर रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा कि नौसेना शौर्य वाटिका कोई साधारण पर्यटन स्थल नहीं है, बल्कि यह एक जीवंत प्रेरणा स्थल है. यह आने वाली पीढ़ियों को

बताएगी कि देश की आजादी और सुरक्षा की क्या कीमत होती है. उन्होंने कहा कि नौ सेना शौर्य स्थल लखनऊ के लिए एक प्रेरणा स्थल तो बनेगा ही, साथ ही टूरिस्ट हब के रूप में भी बनेगा.

यह लखनऊ की पहचान भी बनेगा. यह सब बढ़ते हुए उत्तर प्रदेश की तस्वीर है, जो हमारे मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में उत्तर प्रदेश आगे बढ़ रहा है. उन्होंने कहा कि लखनऊ अब तहजीब और संस्कृति का शहर होने के साथ-साथ राष्ट्र भक्ति और सैन्य गौरव का भी प्रतीक बन रहा है.

रक्षामंत्री ने कहा कि उत्तर प्रदेश आज जिस तरह से विकास के रास्ते पर तेजी से आगे बढ़ रहा है, उसे आज हम सभी देख रहे हैं. हम सभी जानते हैं कि कभी उत्तर प्रदेश की पहचान गुंडाराज और बिगड़ी हुई कानून व्यवस्था से होती थी।

लोग भय से जीते थे और डर में अपनी जिंदगी गुजारते थे. निवेशक यूपी में आने से कतराते थे. वह सोचते थे कि यूपी में कानून व्यवस्था बद से बदतर है और अगर यूपी में हम इन्वेस्ट करेंगे तो गुंडों और बदमाशों के द्वारा परेशान किया जाएगा. राजनाथ सिंह ने कहा कि आज का उत्तर प्रदेश बदल चुका है, यह सिर्फ हम ही नहीं बल्कि पूरा हिंदुस्तान जानता है.

मुख्यमंत्री योगी ने जिस तरीके से कानून व्यवस्था को संभाला, वह एक मिसाल: रक्षामंत्री

रक्षामंत्री ने कहा कि उत्तर प्रदेश की ऐसी हालत हो गई थी कि यह वन डिस्ट्रिक्ट वन माफिया के लिए जाना जाने लगा था लेकिन आज उत्तर प्रदेश वन जिला वन प्रोडक्ट के लिए जाना जा रहा है, यह सबसे बड़ी विशेषता है. उन्होंने कहा कि यह परिवर्तन किसी वजह से नहीं बल्कि उत्तर प्रदेश के जनप्रिय मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के मजबूत नेतृत्व का नतीजा है. उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने जिस तरीके से प्रदेश की कानून व्यवस्था को संभाला है, वह अपने आप में एक मिसाल है.

एआई-सक्षम वॉयस 'चैटबॉट' 'समाधान दीदी' का शुभारंभ

(एजेंसी)।

केंद्रीय विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी तथा पृथ्वी विज्ञान राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) और प्रधानमंत्री कार्यालय, परमाणु ऊर्जा विभाग, अंतरिक्ष विभाग तथा कार्मिक, लोक शिकायत और पेंशन राज्य मंत्री डॉ. जितेन्द्र सिंह ने आज नई दिल्ली स्थित कर्तव्य भवन में प्रशासनिक सुधार एवं लोक शिकायत विभाग (डीएआरपीजी) द्वारा भाषिणी के सहयोग से विकसित किए गए सीपीजीआरएएमएस के एआई-सक्षम वॉयस 'चैटबॉट' 'समाधान दीदी' का शुभारंभ किया।

इस अवसर पर मुख्य भाषण देते हुए डॉ. जितेन्द्र सिंह ने सीपीजीआरएएमएस के एआई-सक्षम वॉयस चैटबॉट की ओर किए गए इस परिवर्तन को देश में 'लोक शिकायत निवारण तंत्र का लोकतंत्रीकरण' बताया, जो नागरिकों के लिए सार्वजनिक सेवाओं के 'उपयोग की सुगमता' को बढ़ाने के प्रति सरकार की अटूट प्रतिबद्धता को प्रदर्शित करता है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरें द्र मोदी के नेतृत्व में नागरिक-केंद्रित दृष्टिकोण शासन सुधारों के केंद्र में रहा है।

लोक प्रशासन में प्रौद्योगिकी की परिवर्तनकारी भूमिका को रेखांकित करते हुए मंत्री महोदय ने कहा कि

कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) शिकायत निवारण व्यवस्था के लोकतंत्रीकरण को गति दे रही है, जिससे यह अधिक सुलभ, उत्तरदायी और दक्ष बन रही है। उन्होंने कहा कि एआई-सक्षम उपकरण नागरिक सहभागिता को सुदृढ़ कर रहे हैं तथा शिकायत निवारण की गुणवत्ता और गति में सुधार ला रहे हैं।

मंत्री महोदय ने इस बात पर बल दिया कि ये कदम सरकार के 'संपूर्ण राष्ट्र दृष्टिकोण' के प्रमाण हैं। उन्होंने राज्यों और अन्य हितधारकों से आग्रह किया कि वे अंतिम छोर तक पहुँच सुनिश्चित करने के लिए 'समाधान दीदी' जैसे एआई-संचालित, वाक्-सक्षम उपकरणों को अपने राज्य-स्तरीय शिकायत निवारण पोर्टलों में अपनाएँ और एकीकृत करें।

मोदी सरकार के पिछले 12 वर्षों के दौरान देश की लोक शिकायत निवारण व्यवस्था में आए आमूलचूल परिवर्तन को रेखांकित करते हुए डॉ. जितेन्द्र सिंह ने कहा कि वर्ष 2014 में सरकार के कार्यभार संभालने के समय शिकायत निवारण प्रणाली में जन-भागीदारी सीमित थी और प्रतिवर्ष केवल लगभग 2 लाख शिकायतें ही दर्ज होती थीं।

लखनऊ में साइकिल से कोर्ट पहुंचे न्यायिक अधिकारी, पीएम मोदी की अपील का असर

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की ईंधन बचाने की अपील का असर लखनऊ में देखने को मिला, जहां जिला, सत्र न्यायाधीश समेत कई न्यायिक अधिकारी शनिवार को साइकिल से अदालत पहुंचे.

अधिकारियों ने कहा कि मौजूदा वैश्विक तेल संकट और ऊर्जा बचत की आवश्यकता को देखते हुए यह पहल की गई है. जो अधिकारी साइकिल चलाने में सक्षम नहीं थे, उन्होंने कार्यालय पहुंचने के लिए ई-रिक्शा का इस्तेमाल किया.

अब भारत के 'सबसे बड़े ब्रांड एंबेसडर' पीएम मोदी हैं: शेखावत

(एजेंसी)।

नयी दिल्ली, केंद्रीय मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत का कहना है कि 10-15 साल पहले तक विदेश में भारत की पहचान मुख्य रूप से महात्मा गांधी से जुड़ी थी, लेकिन अब यह बदल गया है और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी देश के 'सबसे बड़े ब्रांड एंबेसडर' हैं।

केंद्रीय संस्कृति एवं पर्यटन मंत्री ने 'पीटीआई वीडियो' को दिए एक

साक्षात्कार में कहा कि भारत की संस्कृति- इसकी विरासत, त्योहार और व्यंजन झ्र भी देश की पहचान हैं।

उन्होंने कहा कि दुनिया में भारत को जिस नजरिए से देखा जाता था, उसमें 'कुछ कमी' थी।

इस सप्ताह की शुरूआत में मंत्री ने 'पीटीआई-वीडियो' से कहा था,''10-15 साल पहले तक अगर आप दुनिया के किसी भी देश में जाते और किसी व्यक्ति से उसके हुलिए के आधार पर पूछते कि क्या वह भारतीय है, तो वह खुद को भारतीय कहने में हिचकिचाता था। वह अपना परिचय एशियाई के रूप में देता था। फिर अगर आप उससे पूछते कि वह एशिया में कहां से है, तब वह कहता कि मैं भारतीय हूं।''

मंत्री ने कहा कि इसके पहले अगर कोई पर्यटक विदेश में किसी को बताता कि वह भारतीय है, तो जवाब होता, 'भारत! 'ओह, श्रीमान गांधी'।

शेखावत ने कहा कि भारत की छवि और पहचान 'गांधीजी से जुड़ी हुई थी'। उन्होंने कहा, ''लेकिन आज, और मैं पूरे विश्वास के साथ कह सकता हूं, आप दुनिया के किसी भी देश में जा सकते हैंझ्र सबसे छोटे कैरेबियन द्वीप से लेकर अमेरिका तक, और दक्षिण एशिया से लेकर पश्चिम एशिया तक, आप कहीं भी जा सकते हैं, और अगर आप किसी को बताएं कि 'मैं भारत से हूं', तो आप उनके चेहरे पर एक प्यारी सी मुस्कान और एक विस्मयबोधक शब्द देखेंगे।

राष्ट्रपति, प्रधानमंत्री और गृह मंत्री ने गोवा के स्थापना दिवस पर राज्य के लोगों शुभकामनाएं दीं

राष्ट्रपति, प्रधानमंत्री और गृह मंत्री ने गोवा के स्थापना दिवस पर राज्य के लोगों शुभकामनाएं दीं, राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गोवा के स्थापना दिवस पर राज्य के लोगों शुभकामनाएं दी हैं। सोशल मीडिया पोस्ट में राष्ट्रपति ने कहा कि गोवा न केवल अपनी समृद्ध सांस्कृतिक विरासत और शानदार आतिथि सत् कार के लिए प्रसिद्ध है, बल्कि शिक्षा, प्रौद्योगिकी, स्टार्टअप और सतत विकास में उल्लेखनीय प्रगति के लिए भी जाना जाता है। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि यह अवसर उन सभी को याद करने का है जिन्होंने राज्य की प्रगति और पहचान के लिए अथक परिश्रम किया। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि गोवा समृद्ध होता रहेगा और विकसित भारत के लक्ष्य में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।

सम्पादकीय

अब्राहम समझौते के दबाव में अरब मुल्कों सहित पाकिस्तान भी फंसा

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने एक बार फिर से साबित कर दिया कि अमेरिका ईरान पर जो युद्ध कर रहा है वह दरअसल उसका अपना युद्ध नहीं। यह सब वुछ ट्रंप इजरायल के प्रधानमंत्री नेतन्याहू के कहने पर कर रहे हैं। यह युद्ध ट्रंप ने अमेरिका के हितों के लिए नहीं बल्कि इजरायल के हितों की रक्षा करने के लिए किया है। यह किसी से छिपा नहीं कि ट्रंप को नेतन्याहू ब्लैकमेल कर रहे हैं और वह सब वुछ कहने और करने पर करवा रहे हैं जो वो और शक्तिशाली यहूदी लॉबी करवा रही है। सभी जानते हैं कि ट्रंप ऐसा क्यों कर रहे हैं? इसके पीछे एपस्टीन फाइल्स का भूत है। अगर ऐसा नहीं होता तो ट्रंप ये नई शर्त क्यों डालते। ट्रंप ने हाल ही में पाकिस्तान, सऊदी अरब, कतर, तुर्किए, मिस्र और जार्डन से ईरान शांति समझौते में शामिल होने की अपील करते हुए इन अरब देशों से कहा कि ईरान से समझौता तभी पूरा माना जाएगा, जब सऊदी अरब, कतर, पाकिस्तान, तुर्विए, मिस्र और जार्डन और बहरीन से अरब मुस्लिम देश अब्राहम अकॉर्ड में शामिल हों। यानि इजरायल को मान्यता दें और उससे रिश्ते जोड़ें। ट्रंप ने आगे चेताया कि जो देश ऐसा नहीं करेंगे, उन्हें अमेरिका-ईरान डील का हिस्सा नहीं होना चाहिए। ट्रंप ने सऊदी व कतर से तुरंत इजरायल से संबंध जोड़ने को कहा। ट्रंप ने आगे कहा, डील के बाद ईरान को भी अब्राहम अकॉर्डस में शामिल करना सम्मान की बात होगी। अब्राहम अकॉर्ड की शुरूआत सितम्बर 2020 में ट्रंप के पहले कार्यकॉल के दौरान हुई थी। यह एक वूटनीतिक समझौता था जिसके तहत यूएई और बहरीन ने अधिकारिक तौर पर इजरायल के साथ संबंध सामान्य किए थे। बाद में मोरक्को और सूडान भी इस प्रेमवर्व में शामिल हो गए। दशकों तक अधिकांश अरब मुल्कों का रुख यह था कि जब तक फिलिस्तीन मुद्दे का समाधान नहीं होगा, तब तक वे इजरायल को मान्यता नहीं देंगे। लेकिन इस समझौते ने उस नीति को बदलने की कोशिश की। इस समझौते की सबसे बड़ी आलोचना यह रही कि इसमें फिलिस्तीन मुद्दे को नजरअंदाज कर दिया गया। न तो फिलिस्तीन राज्य को लेकर कोई स्पष्ट रोडमैप दिया गया और न ही इजरायली बस्तियों पर रोम की बात हुई। सभी जानते हैं कि इजरायल एक ग्रेटर इजरायल की भावना पाले बैठा है जिसमें वुछ अरब मुल्कों की जमीनें लेकर एक ग्रेटर (बड़ा इजरायल) बनाना चाहता है और उसमें अब ट्रंप खुलकर बेशमी से मदद कर रहे हैं। पाकिस्तान ने इस प्रस्ताव को तुरंत खारिज कर दिया। पाकिस्तान ने आज तक इजरायल को अधिकारिक मान्यता नहीं दी है। हालांकि, यह बात पाकिस्तान के लिए इतनी आसान नहीं है, क्योंकि ट्रंप जिस तरह के शख्स हैं और अपनी बात मनवाने के लिए जिस तरह से गैर-राजनीतिक तरीकों का इस्तेमाल करते हैं, उससे माना जा रहा है कि हो सकता है कि पाकिस्तान विदेश नीति के सामने आने वाले समय में यह मुद्दा बड़ी चुनौती बनकर सामने आए। सऊदी अरब ने भी इस प्रस्ताव को यह कहकर रद्द कर दिया है कि पहले 1967 की वह स्थिति बहाल करो जब इजरायल जबरन फिलिस्तीन की जमीन काटकर बसाया गया था। तुर्विए ने तो साफ कह दिया कि हमारी तो नीति स्पष्ट है, हम तो इजरायल की मौजूदगी को मानते ही नहीं, इसलिए हमारा इजरायल को मान्यता देने का सवाल ही नहीं उठता। सवाल यह उठता है कि ट्रंप ने आखिर में दांव क्यों चला? ट्रंप ईरान डील को सिर्प युद्ध रोकने वाला समझौता नहीं रखना चाहते। वे इसे पश्चिम एशिया की नई राजनीतिक व्यवस्था बनाना चाहते हैं। इसलिए सऊदी अरब, कतर, पाकिस्तान, तुर्विए जैसे देशों पर जुड़ने का दबाव दे रहा है।

उपराष्ट्रपति ने गोवा स्थित सीएसआईआर-राष्ट्रीय समुद्र विज्ञान संस्थान का दौरा किया

(एजेंसी)।

उपराष्ट्रपति श्री सीपी राधाकृष्णन ने आज गोवा के पणजी स्थित सीएसआईआर-राष्ट्रीय समुद्र विज्ञान संस्थान (सीएसआईआर-एनआईओ) का दौरा किया।

उपराष्ट्रपति ने संस्थान में वैज्ञानिकों, शोधकताओं और छात्रों को संबोधित करते हुए कहा कि लगभग 11,000 किलोमीटर लंबी तटरेखा वाले भारत के लिए महासागर केवल एक संसाधन नहीं बल्कि एक जीवंत पारिस्थितिकी तंत्र है जिसका सम्मान और संरक्षण करना आवश्यक है। उन्होंने कहा कि भारत के समुद्र देश को विश्व से अलग करने वाली सीमाएं नहीं हैं, बल्कि वैश्विक व्यापार, ऊर्जा सुरक्षा, आर्थिक समृद्धि और रणनीतिक शक्ति से जोड़ने वाले सेतु हैं।

उपराष्ट्रपति ने भारत की समुद्री विरासत का उल्ं लेख करते हुए कहा कि सदियों से हिंद महासागर ने भारत की सभ्यता को आकार दिया है, जहां प्राचीन भारतीय व्यापारियों, विद्वानों और नाविकों ने समुद्र के पार सांस्कृतिक और आर्थिक संबंध स्थापित किए हैं।

श्री राधाकृष्णन ने सीएसआईआर-एनआईओ के कार्यों की प्रशंसा करते हुए कहा कि यह संस्थान लगभग छह दशकों से भारत के प्रमुख वैज्ञानिक संस्थानों में से एक रहा है। उन्होंने कहा कि अपने शोध, नवाचार और अन्वेषण के माध्यम से यह संस्थान भारत को अधिक आत्मनिर्भर और भविष्य के लिए तैयार बनाने में मदद कर रहा है।

उपराष्ट्रपति ने प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में अंतर्राष्ट्रीय वैज्ञानिक सहयोग को मजबूत करने के लिए सरकार के प्रयासों की भी सराहना की। सीएसआईआर और नॉर्वे की अनुसंधान परिषद के बीच हस्ताक्षरित समझौता ज्ञापन का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि यह साझेदारी अनुसंधान, नवाचार, प्रौद्योगिकी विकास और क्षमता निर्माण को बढ़ावा देगी। उन्होंने कहा कि भारतीय अनुसंधान संस्थानों को वैश्विक स्तर पर उन्नत प्रणालियों से निरंतर सीखना चाहिए और अंतरराष्ट्रीय वैज्ञानिक मानकों के अनुरूप चलना चाहिए।

श्री राधाकृष्णन ने जलवायु परिवर्तन, बढ़ते समुद्री जल स्तर, समुद्री प्रदूषण, जैव विविधता हानि और सूक्ष्म प्लास्टिक जैसी बढ़ती चुनौतियों का जिक्र करते हुए कहा कि दुनिया भर के तटीय समुदाय तेजी से असुरक्षित होते जा रहे हैं। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि विकास प्रकृति की कीमत पर नहीं हो सकता और समुद्र विज्ञान अब केवल वैज्ञानिक जांच तक सीमित नहीं है, बल्कि मानवता के भविष्य की रक्षा और एक स्थायी, सुरक्षित और समृद्ध विश्व के निर्माण के लिए आवश्यक हो गया है। उन्होंने जिम्मेदार नवाचार के महत्व पर जोर देते हुए कहा कि वैज्ञानिक प्रगति हमेशा करुणा, स्थिरता और जिम्मेदारी से निर्देशित होनी चाहिए।

श्री राधाकृष्णन ने भारत की भविष्योन्मुखी पहलों का उल्लेख करते हुए कहा कि डीप ओशन मिशन, ब्लू इकोनॉमी पहल, ग्रीन हाइड्रोजन मिशन और नवीकरणीय ऊर्जा साझेदारी जैसे कार्यक्रम भविष्य के बारे में साहसिक सोच रखने वाले राष्ट्र को दशार्ते हैं।

उपराष्ट्रपति ने कोविड-19 महामारी के दौरान भारत की भूमिका का जिक्र करते हुए कहा कि भारत की वैज्ञानिक प्रगति ने न केवल अपने नागरिकों बल्कि कई विकासशील देशों की भी मदद की है, जो "वसुधैव कुटुंबकम" की भावना को दशार्ती है। उन्होंने कहा कि जहां कई देश पेटेंट हासिल करने में लगे थे, वहीं भारत ने मानवता की सेवा को चुना था। उन्होंने कहा कि यदि भारत मजबूत होता है, तो मानवता अधिक सुरक्षित हाथों में होगी।

श्री राधाकृष्णन ने युवा शोधकताओं और छात्रों को संबोधित करते हुए, उनसे निडर होकर सपने देखने और अथक परिश्रम करने का आग्रह किया। गणितज्ञ श्रीनिवास रामानुजन का उल्ं लेख करते हुए उन्होंने कहा कि सच्ची उत्कृष्टता अक्सर किसी विषय में गहरी व्यक्तिगत रुचि और समर्पण से उत्पन्न होती है। उपराष्ं ट्रपति ने इस बात पर जोर दिया कि संस्थानों और वरिष्ठ मार्गदर्शकों को ऐसी प्रतिभाओं को प्रोत्साहित और पोषित करना चाहिए।

उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि जलवायु समाधान, समुद्री जैव प्रौद्योगिकी, नवीकरणीय ऊर्जा या महासागर संरक्षण के क्षेत्र में अगली बड़ी उपलब्धि संस्थान में उपस्थित युवा प्रतिभाओं से ही निकल सकती है। उपराष्ट्रपति ने यह भी कहा कि इनमें से कोई एक दिन भारत के भविष्य के अभियानों का नेतृत्व करते हुए दुनिया के सबसे गहरे महासागरों तक पहुंचेगा।

श्री राधाकृष्णन ने अपनी यात्रा के दौरान, विभिन्न प्रयोगशालाओं और अनुसंधान एवं प्रौद्योगिकी प्रदर्शनी का दौरा किया, जिसमें संस्थान की प्रमुख परियोजनाओं और वैज्ञानिक पहलों को प्रदर्शित किया गया था। उन्होंने "समुद्र विज्ञान उत्कृष्टता की एक हीरा विरासत" नामक एक कॉफी टेबल बुक का विमोचन भी किया।

पीएम मोदी ने यूएई राष्ट्रपति को स्वर्ण कोफ्तगिरी खंजर किया गिफ्ट...जानिए इसका उदयपुर से लिंक

प्रधानमंत्री के दिए इस विशेष उपहार से मेवाड़ की पारंपरिक कोफ्तगिरी कला को वैश्विक पहचान मिली.

(एजेंसी)।

उदयपुरः मेवाड़ की ऐतिहासिक कोफ्तगिरी कला अंतरराष्ट्रीय स्तर पर फिर चर्चा में है. प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) दौरे में वहां के राष्ट्रपति को उदयपुर में हस्तनिर्मित स्वर्ण कोफ्तगिरी खंजर भेंट किया. प्रधानमंत्री के दिए इस विशेष उपहार से मेवाड़ की पारंपरिक कोफ्तगिरी कला को वैश्विक पहचान मिली. यह खंजर उदयपुर के सहेलियों की बाड़ी क्षेत्र स्थित सिकलीगर आर्ट्स की कार्यशाला में तैयार किया गया. इससे पहले भी प्रधानमंत्री मोदी विदेश दौरों में मेवाड़ की इस कला को बढ़ावा दे चुके हैं.वे नॉर्वे के राष्ट्रपति को भी कोफ्तगिरी कला से निर्मित ढाल भेंट कर चुके हैं.

कोफ्तगिरी कला विशेषज्ञ डॉ. श्यामलता गहलोत ने बताया, कोफ्तगिरी धातु पर सोने और चांदी की महीन जड़ाई की दुर्लभ और ऐतिहासिक कला है. लंबे प्रयास के बाद वर्ष 2021 में इस कला को जीआई (भौगोलिक संकेतक) टैग मिला था. प्राचीन समय में राजघरानों के हथियारों, तलवारों और खंजरों पर इसी कला का उपयोग किया जाता था. इसे बनाने वाले हिम्मत सिंह परिहार ने बताया, उत्कृष्ट कोफ्तगिरी कलाकृति बनाने के लिए धातु पर नक्काशी, महीन तारों की जड़ाई और पारंपरिक डिजाइनों की बारीक उकेरण जैसी कई प्रक्रियाओं से गुजरना पड़ता है. इस पूरी प्रक्रिया में कई दिनों की मेहनत और अत्यंत सूक्ष्म कारीगरी की आवश्यकता होती है.

कीमत करीब एक लाखः खंजर कारीगर हिम्मत सिंह परिहार (सिकलीगर) ने ईटीवी भारत को बताया कि इस विशेष खंजर के निर्माण के लिए प्रधानमंत्री कार्यालय की ओर से जिला कलेक्टर कार्यालय के जरिए विशेष ऑर्डर मिला था. खंजर तैयार होने के बाद इसे प्रशासन के जरिए भेजा गया. परिहार ने बताया कि यह हस्तनिर्मित ओमानी डेगर (खंजर) है. इसकी कीमत लगभग एक लाख रुपए है. इसे पारंपरिक तकनीकों के साथ तैयार किया गया. खंजर बनाने में समय लगा और हर चरण में बारीक कारीगरी का विशेष ध्यान रखा गया. उनके अनुसार, सिकलीगर समुदाय का हथियारों और धातु शिल्प से सदियों पुराना संबंध रहा है. पुराने समय में समुदाय के कारीगर सिकली नामक विशेष फौलादी कड़े की सहायता से तलवारों की पॉलिश करते थे. इस प्रक्रिया के बाद तलवार इतनी चमकदार हो जाती थी कि उसमें चेहरा देख लो. इसी कारण इस समुदाय को आगे चलकर सिकलीगर कहा जाने लगा.

इतना लगता वक्तः हिम्मत ने बताया कि इसे बनाने में 10 से 15 दिन लगते हैं. इसमें करीब तीन से चार ग्राम सोना लगता है. अरब देशों में फंक्शन में इसे वैसे ही यूज करते हैं, जैसे राजस्थान में राजपूती शादियों में तलवार या कटार का इस्तेमाल होता है. इसमें विशेष प्रकार की ब्लेड लगी है, जिसको सकीला कहते है. इसे वर्ष 1990 से मिडिल ईस्ट देशों में उदयपुर से भेजा जा रहा है. इससे पहले चांदी के खंजर बनाते थे, लेकिन यह फिलहाल कुछ ही दिनों पहले सोने का बनाया था, जिसे प्रधानमंत्री ने गिफ्ट किया. उदयपुर में इस पेशे में करीब डेढ़ सौ लोग जुड़े हैं.

भारत के खेल उत्थान के केंद्र में पूर्वोत्तर क्षेत्रः मांडविया ने राष्ट्रीय खेलों की तैयारियों की समीक्षा की

मेघालय में 2027 के राष्ट्रीय खेल नया मानदंड स्थापित करेंगे: डॉ. मनसुख मांडविया; मेघालय में 150 करोड़ रुपये की लागत वाले हाई-एल्टीट्यूड प्रशिक्षण केंद्र की घोषणा

अष्टलक्ष्मी राज्य 39वें राष्ट्रीय खेलों की तैयारियों में जुटे: डॉ. मांडविया ने तैयारियों की समीक्षा की, खेल अवसंरचना के बड़े विस्तार का किया अनावरण

शिलांग में बहुउद्देशीय एकीकृत खेल इंडोर हॉल का उद्घाटन किया

(एजेंसी)।

केंद्रीय युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्री डॉ. मनसुख मांडविया ने आज मेघालय में वर्ष 2027 में आयोजित होने वाले 39वें राष्ट्रीय खेलों की तैयारियों का आकलन करने के लिए एक उच्चस्तरीय समीक्षा बैठक की अध्यक्षता की।

इस बैठक में मेघालय के मुख्यमंत्री कोनराड संगमा, केंद्रीय युवा कार्यक्रम एवं खेल राज्य मंत्री रक्षा खडसे, आईओए की अध्यक्ष पी.टी. उषा, मेघालय के खेल मंत्री श्री वैलाडमिकी शिला, पूर्वोत्तर के आठ राज्यों के खेल अधिकारी तथा केंद्रीय युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

बैठक के दौरान डॉ.मांडविया ने इस बात पर जोर दिया कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के विजन के अनुरूप, 39वें राष्ट्रीय खेल केवल एक प्रमुख खेल आयोजन ही नहीं होने चाहिए, बल्कि मेघालय और समूचे पूर्वोत्तर क्षेत्र की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत, विविधता तथा विशिष्ट पहचान को देश और दुनिया के सामने प्रस्तुत करने का एक महत्वपूर्ण मंच भी बनने चाहिए।

उन्होंने इस बात पर भी बल दिया कि खेलों को भारतीय खेल इतिहास का एक यादगार आयोजन बनाने के लिए विश्वस्तरीय खेल अवसंरचना, सुचारु आयोजन व्यवस्था और व्यापक जनभागीदारी सुनिश्चित की जानी चाहिए। डॉ. मांडविया ने कहा, 'वर्ष 2027 में मेघालय में आयोजित होने वाले 39वें राष्ट्रीय खेलों के लिए हमारा संदेश स्थिरता और विविधता है,'

विभिन्न राज्यों द्वारा राष्ट्रीय खेलों की मेजबानी में बढ़ती रुचि का उल्लेख करते हुए केंद्रीय मंत्री ने कहा कि राष्ट्रीय खेलों का मुख्य फोकस प्रतिभाओं की पहचान और तलाश पर भी होना चाहिए।उन्होंने कहा, 'राष्ट्रीय खेलों का उपयोग डोपिंग के बारे में जागरूकता फैलाने के अवसर के रूप में भी किया जाना चाहिए। खिलाड़ियों को डोपिंग के प्रभावों के बारे में जागरूक किया जाना चाहिए।'

डॉ. मांडविया ने कहा कि मेघालय में आयोजित होने वाले राष्ट्रीय खेलों के दौरान माय भारत के स्वयंसेवकों को भी सक्रिय रूप से साथ जोड़ा जाना चाहिए।केंद्रीय मंत्री ने अष्टलक्ष्मी (पूर्वोत्तर) राज्यों में खेल अवसंरचना विकास की प्रगति की भी समीक्षा की।

बैठक के दौरान मंत्री के समक्ष खेल अवसंरचना से संबंधित परियोजनाओं की स्थिति, प्रतियोगिता स्थलों की तैयारियों तथा 2027 में आयोजित होने वाले 39वें राष्ट्रीय खेलों की समग्र तैयारियों के बारे में एक विस्तृत प्रस्तुति दी गई। साथ ही उन्हें परियोजनाओं को पूरा करने की समय-सीमा और विशेष ध्यान देने की आवश्यकता वाले प्रमुख क्षेत्रों की जानकारी भी दी गई। पूर्वोत्तर के तीन दिवसीय दौरे पर आए डॉ. मांडविया ने आज शिलांग में स्ं थापित अत्याधुनिक बहुउद्देशीय एकीकृत खेल इंडोर हॉल का भी उद्घाटन किया।

उन्होंने कहा कि यह अत्याधुनिक खेल सुविधा युवा खिलाड़ियों के लिए नए अवसरों के द्वार खोलेगी और मेघालय तथा पूरे पूर्वोत्तर क्षेत्र में खेलों के भविष्य को आकार देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। साथ ही, यह खेल संबंधी इकोसिस्टम को और मजबूत करेगी तथा खेल प्रतिभाओं की अगली पीढ़ी को तैयार करने में सहायक सिद्ध होगी।

डॉ. मांडविया ने यह भी घोषणा की कि मेघालय में शीघ्र ही 150 करोड़ रुपये की लागत से एक अत्याधुनिक, विश्वस्तरीय हाई-एल्टीट्यूड प्रशिक्षण केंद्र स्थापित किया जाएगा।

मेघालय के मुख्यमंत्री कोनराड संगमा की सराहना करते हुए डॉ. मनसुख मांडविया ने कहा कि उनके नेतृत्व में पिछले आठ वर्षों के दौरान राज्य ने खेल क्षेत्र में उल्लेखनीय प्रगति हासिल की है।

डॉ. मांडविया ने कहा, 'उन्होंने मेघालय में खेल संबंधी इकोसिस्ं टम को सुदृढ़ बनाने के लिए व्यापक और दूरदर्शी प्रयास किए हैं। खेल विज्ञान और आधुनिक प्रशिक्षण पद्धतियों को बढ़ावा देने से लेकर प्रतिभा पहचान और जमीनी स्तर पर खेल विकास कार्यक्रमों की मजबूत व्यवस्था स्थापित करने तक, मुख्यमंत्री ने अन्य राज्यों के लिए एक नया मानदंड स्थापित किया है।'

भारत के खेल परिदृश्य में पूर्वोत्तर क्षेत्र के बढ़ते महत्व को रेखांकित करते हुए डॉ. मांडविया ने कहा कि जब मेघालय जैसा राज्य राष्ट्रीय खेलों की मेजबानी के लिए आगे आता है, तो यह पूरे देश के लिए गर्व का विषय होता है।

उन्होंने कहा कि पूर्वोत्तर क्षेत्र ने देश को लगातार उत्कृष्ट खेल प्रतिभाएं दी हैं और राष्ट्रीय खेलों की मेजबानी से खेल विकास को और गति मिलेगी, युवा खिलाड़ियों को प्रेरणा मिलेगी तथा पूर्वोत्तर की समृद्ध संस्कृति, आतिथ्य और अपार संभावनाओं को देश के अन्य हिस्सों के सामने प्रदर्शित करने का अवसर मिलेगा।

डॉ. मांडविया ने कहा, 'मैंने मेघालय में 39वें राष्ट्रीय खेलों के लिए चल रहे अवसंरचना विकास के कार्यों और तैयारियों की प्रगति की समीक्षा की है, और मैं पूरे विश्वास के साथ कह सकता हूँ कि राष्ट्रीय खेल 2027 इस आयोजन के इतिहास में एक नया मानदंड स्थापित करेंगे।'

पूर्वोत्तर क्षेत्र में खेल विकास पर केंद्र सरकार के नए फोकस का उल्लेख करते हुए केंद्रीय मंत्री ने कहा कि अब किसी राज्य का आकार या उसकी जनसंख्या खेल संसाधनों और अवसरों के आवंटन का निर्धारक कारक नहीं रह गया है।

'संगठन, स्वास्थ्य और समृद्धिः स्वस्थ हृदय और स्वस्थ जीवन के लिए संतुलित तेल सेवन' विषय पर वेबिनार सम्पन्न

दीनदयाल अंत्योदय योजना-राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन (डीएवाई-एनआरएलएम) ने किया वेबिनार का आयोजन

वेबिनार में स्वस्थ हृदय और जीवन के लिए खाद्य तेल के संतुलित सेवन पर दिया गया जोर

(एजेंसी)।

ग्रामीण विकास मंत्रालय (एमओआरडी) के अंतर्गत आने वाली दीनदयाल अंत्योदय योजना - राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन (डीएवाई-एनआरएलएम) ने 29 मई 2026 को सुबह 10:30 बजे "संगठन, स्वास्थ्य और समृद्धिः स्वस्थ हृदय और स्वस्थ जीवन के लिए संतुलित तेल सेवन" शीर्षक से एक वेबिनार का आयोजन किया। वेबिनार में ग्रामीण आबादी में बढ़ते मोटापे और हृदय रोगों के संदर्भ में संतुलित खाद्य तेल सेवन के महत्व पर प्रकाश डाला गया और इसका उद्देश्य समुदायों में स्वस्थ आहार संबंधी आदतों के प्रति जागरूकता बढ़ाना था।

वेबिनार की अध्यक्षता विकास मंत्रालय के अतिरिक्त सचिव श्री टी.के. अनिल कुमार ने की। इस अवसर पर डीएवाई-एनआरएलएम की संयुक्त सचिव श्रीमती एम.जी. जयश्री और डे-एनआरएलएम की उप सचिव (आरएल) डॉ. मोनिका भी उपस्थित थीं। इस कार्यक्रम में राष्ट्रीय और राज्य स्तर के वरिष्ठ अधिकारियों, राज्य मिशन निदेशकों, जिला और ब्लॉक स्तर के अधिकारियों ने भाग लिया। प्रारंभिक आंकड़ों के अनुसार, सभी 34 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों से 10 लाख से अधिक स्वयं सहायता समूह (एसएचजी) सदस्यों ने वेबिनार में भाग लिया।

श्रीमती एम. जी. जयश्री ने स्वागत भाषण दिया और वेबिनार का संदर्भ प्रस्तुत किया। उन्होंने बताया कि 91 लाख से अधिक स्वयं सहायता समूहों के माध्यम से 10 करोड़ से अधिक परिवारों तक पहुँच रखने वाला डीएवाई-एनआरएलएम विश्व के सबसे बड़े महिला नेतृत्व वाले सामुदायिक नेटवर्कों में से एक है और जमीनी स्तर पर स्वास्थ्य और पोषण जागरूकता फैलाने के लिए अद्वितीय रूप से सक्षम है। उन्होंने इस बात पर बल दिया कि मोटापा और हृदय रोग सहित स्वास्थ्य संबंधी चुनौतियाँ अब केवल शहरी क्षेत्रों तक ही सीमित नहीं हैं और ग्रामीण परिवारों में भी तेजी से दिखाई दे रही हैं। उन्होंने स्वयं सहायता समूहों और सामुदायिक कार्यकताओं को स्वस्थ खाना पकाने की प्रथाओं को बढ़ावा देने की जिम्मेदारी लेने के लिए प्रोत्साहित किया और कहा कि यदि प्रत्येक स्वयं सहायता समूह परिवार द्वारा छोटे-छोटे बदलाव अपनाए जाएँ, तो इससे स्वस्थ हृदय, स्वस्थ परिवार और एक स्वस्थ राष्ट्र का निर्माण हो सकता है।

विशेषज्ञों का संबोधन आईसीएमआर-राष्ट्रीय पोषण संस्थान के पोषण सूचना, संचार एवं स्वास्थ्य शिक्षा (एनआईसीएचई) प्रभाग के वैज्ञानिक जी और प्रमुख डॉ. सुब्बा राव एम. गवरवरपु ने दिया। उन्होंने जोर देते हुए कहा, 'भारत कुपोषण के तिहरे बोझ का सामना कर रहा है - अल्पपोषण, मोटापा और बढ़ती गैर-संक्रामक बीमारियाँ, और इस संकट की जड़ में अस्वास्थ्यकर वसा का सेवन है। कोई भी तेल पूरी तरह से सुरक्षित नहीं है; आईसीएमआर-एनआईएन के भारतीयों के लिए आहार दिशानिर्देश सरसों, मूंगफली, तिल, सूरजमुखी और अन्य स्थानीय रूप से उपलब्ध तेलों के बीच बारी-बारी से उपयोग करने की सलाह देते हैं, लेकिन सख्त संयम के साथ, 2000 किलो कैलोरी आहार के लिए प्रति व्यक्ति प्रति दिन 30 ग्राम से अधिक वसा का सेवन सीमित करें। तेलों को कभी भी बहुत अधिक तापमान पर लंबे समय तक गर्म नहीं करना चाहिए, और तेलों को बार-बार गर्म करने से सख्ती से बचना चाहिए क्योंकि इससे हानिकारक यौगिक उत्पन्न होते हैं। अति-प्रसंस्कृत खाद्य पदार्थों से दूर रहना भी उतना ही महत्वपूर्ण है। सबसे चिंताजनक बात यह है कि हमारे बच्चे चिप्स, मीठे पेय और पैकेटबंद स्नैक्स खाकर बड़े हो रहे हैं - आज की आदतें ही कल हमारे राष्ट्र के स्वास्थ्य का निर्धारण करेंगी।'

अपने समापन भाषण में, डीएवाई-एनआरएलएम की राष्ट्रीय मिशन प्रबंधक डॉ. वसुधा शुक्ला ने सभी प्रतिभागियों को उनकी उत्साहपूर्ण भागीदारी के लिए धन्यवाद दिया और कहा कि दैनिक आहार संबंधी आदतों में छोटे-छोटे बदलाव भी स्वास्थ्य पर महत्वपूर्ण और दीर्घकालिक प्रभाव डाल सकते हैं। उन्होंने सभी स्वयं सहायता समूह सदस्यों से आग्रह किया कि वे मासिक एसएचजी बैठकों और नियमित सामुदायिक सहभागिता गतिविधियों के माध्यम से इस चर्चा को अपने गाँव की हर दीदी तक पहुँचाएँ, ताकि संतुलित खाद्य तेल के सेवन का संदेश ग्रामीण भारत के हर घर तक पहुँच सके।

वेबिनार का समापन जमीनी स्तर पर दिन भर की सीख को अमल में लाने की साझा प्रतिबद्धता के साथ हुआ - कि अच्छा स्वास्थ्य रसोई से शुरू होता है, और तेल की हर बूँद की बचत "संगठन, स्वास्थ्य, समृद्धि" की भावना से प्रेरित एक कदम आगे है।

भारतीय वायुसेना द्वारा कसौली में चौबीसों घंटे हवाई अग्निशमन अभियान संचालन

(एजेंसी)।

भारतीय वायु सेना को 26 मई को कसौली के पास जंगल में आग लगने की सूचना मिली और स्थिति का आकलन करने के लिए तुरंत एक चीता हेलीकॉप्टर भेजा गया। इसके बाद, हालात की गंभीरता को देखते हुए नागरिक प्राधिकरणों को सहायता प्रदान करने के उद्देश्य से हिमाचल प्रदेश के कसौली क्षेत्र में लगी भीषण जंगल की आग से निपटने के लिए एमआई-17 वी 5 मीडियम लिफ्ट हेलीकॉप्टर सफलतापूर्वक तैनात किए गए।

सोलन जिले के कसौली बीट क्षेत्र में करीब 10 हेक्टेयर वन क्षेत्र को अपनी चपेट में लेने वाली भीषण आग ने आवासीय क्षेत्रों, महत्वपूर्ण नागरिक ढांचे और सैन्य प्रतिष्ठानों की सुरक्षा के लिए गंभीर चुनौती खड़ी कर दी थी।

राज्य प्रशासन, वन विभाग, भारतीय सेना और स्थानीय अधिकारियों के साथ समन्वय स्थापित करते हुए भारतीय वायु सेना के हेलीकॉप्टरों ने आग को नियंत्रित करने और बुझाने के लिए लगातार बम्बी बकेट अभियान संचालित किया। इस अभियान के तहत चंडीगढ़ स्थित सुखना झील से पानी भरकर प्रभावित क्षेत्रों में डाला गया। प्रत्येक उड़ान में हेलीकॉप्टर लगभग 2,000 से 2,500 लीटर पानी ले जाकर वनाग्नि को नियंत्रित और बुझाने का प्रयास किया गया।

इस अभियान के तहत भारतीय वायु सेना ने दिन-रात लगातार हवाई अग्निशमन अभियान चलाया और प्रभावित क्षेत्र पर 93,000 लीटर से अधिक पानी का छिड़काव किया गया। प्रभावी समन्वय एवं त्वरित कार्रवाई ने आग को व्यापक विनाश का रूप लेने से रोकने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

भारतीय वायु सेना के इतिहास में पहली बार रात में देखने वाले चश्मे (एनवीजी) की सहायता से रात्रिकालीन बम्बी बकेट अग्निशमन अभियान सफलतापूर्वक संचालित किए गए। पहाड़ी क्षेत्रों में सीमित दृश्यता और कठिन भू-भाग के बीच इन अभियानों को अंजाम देने के लिए असाधारण उड़ान कौशल, उच्च स्तर की सटीकता व उत्कृष्ट परिचालन दक्षता की आवश्यकता थी। रात्रिकालीन हवाई अग्निशमन अभियानों से जुड़े अंतर्निहित जोखिमों के बावजूद, वायु सेना के विमान चालक दल ने अद्वितीय कार्य कुशलता, साहस और समर्पण का परिचय देते हुए मिशनों को सुरक्षित, प्रभावी एवं सफलतापूर्वक पूरा किया।

हवाई अभियानों के समानांतर, वायु सेना के स्थलीय कर्मियों ने भी अत्यंत चुनौतीपूर्ण परिस्थितियों में समर्पण और दक्षता का प्रदर्शन किया। उन्होंने खराब मौसम और कठिन परिचालन परिस्थितियों के बावजूद अथक परिश्रम करते हुए विमानों की त्वरित सर्विसिंग, मरम्मत तथा पुनः तैनाती सुनिश्चित की। निरंतर प्रयासों के परिणामस्वरूप चौबीसों घंटे निर्बाध हवाई अग्निशमन अभियान संचालित होते रहे।

PRGI No.: UPHIN/25/A1697 Published & Owned by AJAYKUMAR RAMANLAL PRAJAPATI and Printed By SUSHILA SHUKLA at Krishna Printiers, 271/31 Chakmaki Dugawa, Rajendranagar, Lucknow-226018, Uttar Pradesh.
and Published from 538 GHA/85 Pataurganj, Near Janki Prasad Dharmshala, Sitapur Road, Niralanagar, Lucknow-226020, Uttar Pradesh. Editor : ASHWANI KUMAR
Rage.Office: TF-01, Nanakram Super Market, Ramnagar, Sabarmati, Ahmedabad - 380 005 Gujarat,India. Phone : (O) 9016333307(M)9328333307,9825333307
Email : garvigujarat2007@gmail.com*garvigujarat2007@yahoo.com*Website : www.garvigujarat.co.in

लखनऊ में डे-केयर सेंटर का जर्जर गेट गिरने से 7 वर्षीय बच्चे की मौत, स्थानीय लोगों में आक्रोश

उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ में 'बचपन डे केयर स्कूल' का जर्जर गेट अचानक गिरने से 7 साल के बच्चे की मौत हो गई। इस घटना से स्थानीय निवासियों में भारी आक्रोश है। हालांकि, प्रशासन ने पीड़ित परिवार को सहायता का आश्वासन दिया है।

(एजेंसी)।

लखनऊ, उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ में 'बचपन डे केयर स्कूल' का जर्जर गेट अचानक गिरने से 7 साल के बच्चे की मौत हो गई। इस घटना से स्थानीय निवासियों में भारी आक्रोश है। हालांकि, प्रशासन ने पीड़ित परिवार को सहायता का आश्वासन दिया है।

मृतक बच्चे की मां ने बताया, "मेरा बेटा वहीं खेल रहा था। गेट बहुत खराब हालत में था। सब लोग अधिकारियों को इस बारे में बता रहे थे, लेकिन सरकार ने किसी की नहीं सुनी। जब बच्चे ने गेट को छुआ, तो

वह मेरे बच्चे के ऊपर गिर गया।"

जानकारी के अनुसार, यह दुखद घटना सुबह 9 बजे से 9:30 बजे के बीच घटी। यह स्कूल दृष्टिबाधित बच्चों के लिए एक सुविधा केंद्र है, जो 'दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग' के अंतर्गत संचालित होता है। बताया जा रहा है कि शिवा स्कूल के प्रवेश द्वार के पास अपने भाई-बहनों और अन्य बच्चों के साथ खेल रहा था, तभी लोहे का एक पुराना और कथित तौर पर जर्जर गेट अचानक टूटकर उस पर गिर गया। उस भारी-भरकम गेट के नीचे दब जाने से बच्चे को गंभीर चोटें आईं। अस्पताल पहुंचने से पहले ही उसकी मौत हो चुकी थी।

एक स्थानीय नागरिक ने आईएएनएस को बताया, "बच्चा सुबह घर से बाहर खेलने के लिए निकला था। वह डे-केयर सेंटर के गेट के सामने खेल रहा था। उसी समय गेट गिर गया, जो पहले से ही जर्जर स्थिति में था। गेट का वजन अधिक होने के कारण बच्चे की मौके पर ही मौत हो गई। हालांकि, उसे हम तुरंत अस्पताल लेकर पहुंचे थे, जहां डॉक्टरों ने बच्चे को मृत घोषित कर दिया था।"

वहीं, सदर एसडीएम मनोज सिंह ने कहा, "डे-केयर सेंटर के पास कुछ बच्चे रहते हैं। सीसीटीवी फुटेज से पता चलता है कि एक बच्चा इसे खोलने की कोशिश कर रहा था। हालांकि, गेट क्यों गिरा, यह जांच का विषय है।" एसडीएम ने कहा कि शिवा की दुखद मृत्यु हुई है। पीड़ित परिवार को सहायता राशि दिलाई जाएगी।

जानलेवा हमला करने के आरोपियों की तलाश में लखनऊ में दबिश

(एजेंसी)।

अयोध्या। कुमारगंज थाना क्षेत्र के उधुई पूरे विंध्या गांव निवासी शिवम पांडेय पर जानलेवा हमला करने के आरोपी रोहन सिंह और उसके साथियों की तलाश में पुलिस ने लखनऊ में दबिश दी है। इस दौरान लखनऊ के एक क्षेत्र में आरोपियों के वाहन पलटने की भी सूचना है। हालांकि, इस मामले में जिले की पुलिस कुछ भी बोलने से इन्कार कर रही है।

गांव निवासी नीलम पांडेय ने तीन दिन पूर्व रिपोर्ट दर्ज कराई थी। इसमें उन्होंने बताया कि उनका 16 वर्षीय बेटा शिवम घर आ रहा था। उधुई मोड़ के पास खंडासा के अंजरौली निवासी रोहन सिंह ने जानलेवा हमला कर दिया। उसका गला दबाने से वह बेहोश हो गया। बाद में आरोपी शिकायत करने पर जान से मारने की धमकी देते हुए भाग गए। आरोपियों की तलाश में एसओजी टीम लगाई गई थी। सूत्रों के अनुसार आरोपियों की तलाश में जिले की पुलिस ने लखनऊ के एक इलाके में दबिश डाली। आरोपी वाहन लेकर भागने लगे। इस बीच उनका वाहन एक खांयी में पलट गया और आरोपी पुलिस को चकमा देकर भाग गए। सीओ मिल्कीपुर पीयूष ने बताया कि टीम आरोपियों की तलाश तो कर रही है, लेकिन इस बारे में जानकारी नहीं है।

लखनऊ में निर्माण के दो दिन में उखड़ने लगी नई सड़क, ग्रामीणों ने उठाए गुणवत्ता पर सवाल, निष्पक्ष जांच की मांग

(एजेंसी)।

लखनऊ। राजधानी में सरोजनीनगर विधानसभा क्षेत्र की पिपरसंड ग्रामसभा के मजरा गुलालखेड़ा में लोक निर्माण विभाग ने जिस सड़क का निर्माण करवाया है, उसने दो दिन बाद ही परत छोड़ दी है। नई सड़क की गुणवत्ता को लेकर ग्रामीणों में भारी नाराजगी है। ग्रामीणों का आरोप है कि बाबा जय सिंह से गुलालखेड़ा तक बनाई गई सड़क के निर्माण में घोटाला हुआ है। निर्माण के दो दिन बाद ही उखड़ने से इसकी गुणवत्ता पर गंभीर सवाल खड़े हो गए हैं।

स्थानीय निवासियों के अनुसार सड़क निर्माण के लिए शासन से धन स्वीकृत हुआ था और लंबे समय के बाद यह कार्य पूरा कराया गया। लेकिन सड़क बनने के कुछ ही घंटों बाद इसकी परतें उखड़ने लगीं। ग्रामीणों का कहना है कि निर्माण कार्य में मानकों की अनदेखी की गई है, जिसके चलते नई सड़क जल्द ही क्षतिग्रस्त हो गई।

सड़क की खराब गुणवत्ता को लेकर क्षेत्रीय लोगों ने सोशल मीडिया पर वीडियो और तस्वीरें साझा कर विरोध दर्ज कराया है।

वायरल हो रहे वीडियो और फोटो में सड़क की परतें उखड़ी हुई दिखाई दे रही हैं, जिससे निर्माण कार्य की गुणवत्ता पर सवाल उठ रहे हैं।

ग्रामीणों ने संबंधित विभाग और प्रशासन से मामले की निष्पक्ष जांच कराने तथा दोषी अधिकारियों और ठेकेदारों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग की है। साथ ही भविष्य में गुणवत्तापूर्ण निर्माण कार्य सुनिश्चित करने की भी अपील की है।

रानी चटर्जी ने शेयर किया 'लखनऊ की बड़की पटना की छोटकी' का बीटीएस वीडियो

रानी चटर्जी ने अपनी फिल्म 'लखनऊ की बड़की पटना की छोटकी' के गाने 'यू. पी. वाली बिहार वाली' का बीटीएस वीडियो सोशल मीडिया पर शेयर किया.

(एजेंसी)।

रानी चटर्जी इन दिनों अपनी नई भोजपुरी फिल्म 'लखनऊ की बड़की पटना की छोटकी' को लेकर सुर्खियों में बनी हुई हैं. इसी बीच अब एक्ट्रेस ने अपनी इसी फिल्म के गाने 'यू. पी. वाली बिहार वाली' का एक मजेदार बीटीएस वीडियो शेयर किया, जिसमें उनका और संजना सिंह का खास अंदाज देखने को मिला. दोनों ही एक्ट्रेस देवरान और जेठान के रोल में काफी जंच रही हैं. उनका अंदाज देखते ही बन रहा है.

इंस्टाग्राम पर शेयर किए गए वीडियो में रानी के साथ उनकी सह-कलाकार संजना भी नजर आ रही हैं. दोनों एक्ट्रेसेस गाने की धुन पर अच्छे से परफॉर्म करती दिख रही हैं. इसमें फिल्म के डायरेक्टर (निर्देशक) दोनों एक्ट्रेसेस को गाने के स्टेप्स और उसके पीछे के इमोशंस को गहराई से समझाते हुए दिखाई दे रहे हैं. वीडियो पोस्ट कर एक्ट्रेस ने फैंस से पूछते हुए लिखा, 'क्या आपने गाना सुना?'

यूपी और बिहार की दो बहुओं की मजेदार कहानी

इस फिल्म में रानी उत्तर प्रदेश की रहने वाली हैं जबकि संजना बिहार की रहने वाली हैं. ये कहानी एक ही घर में रहने वाली दो अलग-अलग राज्यों की बहू के बीच होने वाली छोटी-छोटी नोकझोंक और प्यार भरे झगड़ों पर आधारित है. इसमें दिखाया गया है कि कैसे एक तरफ लखनऊ की शानोशौकत वाली यूपी की लड़की और दूसरी तरफ अपनी सादगी और परंपराओं को मानने वाली बिहार की लड़की के बीच मजेदार मुकाबले होते हैं.

फिल्म को मिल रहा अच्छा रिस्पॉन्स

'लखनऊ की बड़की पटना की छोटकी' के डायरेक्टर मंजुल ठाकुर हैं जबकि फिल्म के प्रोड्यूसर संदीप सिंह और मंजुल ठाकुर हैं. फिल्म की कहानी अरविंद तिवारी ने लिखी है. फिल्म में रानी चटर्जी और संजना सिंह के अलावा प्रशांत सिंह, अलोक सिंह, रीना रानी, ललित उपाध्याय, श्वेता वर्मा और प्रेम दुबे भी हैं.

फिल्म में रानी चटर्जी जेठानी के किरदार में हैं तो संजना पांडे देवरानी के किरदार में हैं. दोनों ही भोजपुरी इंडस्ट्री की मशहूर एक्ट्रेसेस में शुमार हैं. फिल्म का पहले नाम 'यू. पी. वाली बिहार वाली' था लेकिन मेकर्स ने रिलीज से पहले ही इसका नाम बदलकर 'लखनऊ की बड़की पटना की छोटकी' रख दिया था. फिल्म का वर्ल्ड टेलीविजन प्रीमियर 23 मई और 24 मई को बी4यू भोजपुरी चैनल पर हुआ था, जिसके बाद से फिल्म को दर्शकों का खूब प्यार मिल रहा है.

'पीएम मोदी ने नीट पेपर लीक की भी निगरानी की', राहुल गांधी के तंज पर भड़की भाजपा, कहा- 'हर मुद्दे पर बेमतलब...'

(एजेंसी)।

नीट-यूजी पेपर लीक मामले को लेकर कांग्रेस और बीजेपी के बीच जुबानी जंग तेज हो गई है. लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष और कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर तंज कसते हुए कहा कि अगर वह ठएएळ मामले की जांच की निगरानी कर रहे हैं, तो उन्होंने पेपर लीक की भी 'व्यक्तिगत निगरानी' की होगी. राहुल गांधी के इस बयान पर बीजेपी ने कड़ी आपत्ति जताई और इसे गैर-जिम्मेदाराना तथा सनसनीखेज राजनीति बताया.

सुप्रीम कोर्ट में क्या कहा गया?

शुक्रवार को NEET-UG पेपर लीक मामले की सुनवाई के दौरान केंद्र सरकार की ओर से पेश सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने सुप्रीम कोर्ट को बताया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी इस पूरे मामले पर व्यक्तिगत रूप से नजर रख रहे हैं. यह टिप्पणी उस समय आई जब सुप्रीम कोर्ट ने सरकार से जांच की प्रक्रिया और निष्कर्ष तक पहुंचने के तरीके को लेकर हलफनामा दाखिल करने को कहा. जवाब में तुषार मेहता ने कहा, 'माननीय प्रधानमंत्री व्यक्तिगत रूप से इसकी निगरानी कर रहे हैं.'

सुप्रीम कोर्ट में दिए गए इस बयान के बाद राहुल गांधी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर तंज कसते हुए लिखा, 'PM मोदी ने NEET पेपर लीक की भी व्यक्तिगत रूप से निगरानी की थी.' राहुल गांधी पिछले कुछ दिनों से ठएएळ पेपर लीक विवाद को लेकर लगातार केंद्र सरकार को घेर रहे हैं. इसके अलावा वह उइरए के ऑन-स्क्रीन मार्किंग (OSM) सिस्टम को लेकर उठे विवाद पर भी सवाल उठा चुके हैं. कांग्रेस नेता लगातार केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान और प्रधानमंत्री से जवाबदेही तय करने की मांग कर रहे हैं.

राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी (NTA) ने 3 मई को मेडिकल कॉलेजों में दाखिले के लिए NEET-UG परीक्षा आयोजित कराई थी. बाद में पेपर लीक के आरोप सामने आने पर 12 मई को परीक्षा रद्द कर दी गई. इस मामले की जांच फिलहाल सीबीआई कर रही है.

राहुल गांधी के बयान के बाद बीजेपी ने उन पर जमकर हमला बोला. पार्टी का कहना है कि विपक्ष के नेता ने जिम्मेदारी दिखाने के बजाय सनसनी फैलाने का रास्ता चुना है.बीजेपी नेताओं ने आरोप लगाया कि राहुल गांधी तथ्यों को तोड़-मरोड़कर पेश कर रहे हैं और छात्रों के गंभीर मुद्दे पर राजनीति कर रहे हैं.

केंद्रीय पर्यटन मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने राहुल गांधी के बयान को 'बेतुका' करार दिया. उन्होंने पर लिखा, 'राहुल गांधी के ऐसे बयान दिखाते हैं कि वह देश के युवाओं से जुड़े संवेदनशील मुद्दों को कितनी अपरिपक्वता और गैर-जिम्मेदारी से देखते हैं.' शेखावत ने कहा कि नेता प्रतिपक्ष से उम्मीद की जाती है कि वह तथ्यों पर आधारित बात करें, न कि सिर्फ राजनीतिक सुर्खियां बटोरने के लिए सनसनीखेज आरोप लगाएं. उन्होंने आगे कहा, 'ऐसे बयान लोकतंत्र को मजबूत नहीं करते, बल्कि जनता का भरोसा कमजोर करते हैं और लाखों छात्रों व उनके परिवारों की वास्तविक चिंताओं को हल्का बनाकर पेश करते हैं.'

बीजेपी नेता अमित मालवीय ने भी राहुल गांधी पर निशाना साधा. उन्होंने कहा, 'यह कहना कि प्रधानमंत्री मोदी ने ठएएळ पेपर लीक की व्यक्तिगत निगरानी की, पूरी तरह बेतुका, चौंकाने वाला और तर्क से परे है.'

एनडीए सरकार के 12 साल पूरे होने पर यूपी में चलेगा व्यापक जनसंपर्क अभियान, सीएम योगी ने की बैठक

(एजेंसी)।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र की एनडीए सरकार के 12 वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर उत्तर प्रदेश में 05 जून से 21 जून तक विकास, सेवा, सुशासन और जनकल्याण की उपलब्धियों को समर्पित व्यापक जनसंपर्क अभियान चलाया जाएगा. मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शुक्रवार को मंत्रिमंडल एवं वरिष्ठ अधिकारियों के साथ बैठक कर अभियान की तैयारियों की समीक्षा की और निर्देश दिए कि केंद्र एवं राज्य सरकार की उपलब्धियों, योजनाओं और विकास की परिवर्तनकारी यात्रा को जन-जन तक पहुंचाने के लिए इसे व्यापक जनभागीदारी का अभियान बनाया जाए.

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में बीते 12 वर्षों में भारत ने विकास, सुशासन, गरीब कल्याण, सामाजिक न्याय और वैश्विक प्रतिष्ठा के क्षेत्र में नई ऊंचाइयों को प्राप्त किया है. केंद्र और राज्य सरकारों ने समन्वित प्रयासों से समाज के प्रत्येक वर्ग के जीवन में सकारात्मक बदलाव लाने का कार्य किया है. अभियान के माध्यम से इन उपलब्धियों, जनकल्याणकारी योजनाओं तथा विकसित भारत के संकल्प को जनता तक प्रभावी ढंग से पहुंचाया जाए.

उन्होंने निर्देश दिए कि केंद्र एवं राज्य सरकार द्वारा स्वास्थ्य, शिक्षा, युवा सशक्तीकरण, किसान कल्याण, महिला सुरक्षा एवं सम्मान, गरीब कल्याण, रोजगार सृजन, निवेश, आधारभूत संरचना विकास, कानून-व्यवस्था, डिजिटल सेवाओं तथा सुशासन के क्षेत्र में हुए व्यापक परिवर्तनों, उपलब्धियों और श्रेष्ठ कार्यप्रणालियों को जन-जन तक पहुंचाया जाए. विभिन्न योजनाओं के लाभार्थियों की सफलता की कहानियों और उनके जीवन में आए सकारात्मक बदलावों को भी प्रमुखता से प्रस्तुत किया जाए.

योगी सरकार का फैसला, सरकारी और सरकारी सहायता प्राप्त स्कूलों में होगा सुरक्षा ऑडिट

मुख्यमंत्री ने कहा कि सभी मंत्रीगण अपने-अपने प्रभार क्षेत्रों में पर्याप्त समय व्यतीत करें तथा अभियान के प्रत्येक कार्यक्रम में सक्रिय सहभागिता सुनिश्चित करें. समाज के विभिन्न वर्गों, प्रबुद्ध जनों, युवाओं, महिलाओं, किसानों, उद्यमियों और व्यापारिक संगठनों के साथ व्यापक संवाद स्थापित किया जाए.

हर विधानसभा में 10 किलोमीटर की प्रगति पथ यात्रा होगी- सीएम योगी

इस बैठक में यह भी निर्णय लिया गया कि 05 जून से 21 जून के मध्य प्रत्येक विधानसभा क्षेत्र में लगभग 10 किलोमीटर की 'प्रगति पथ यात्रा' आयोजित की जाएगी. यात्रा के दौरान जनप्रतिनिधि गांवों में रात्रि विश्राम करेंगे, चौपाल लगाएंगे तथा ग्राम प्रधानों और स्थानीय नागरिकों के साथ संवाद स्थापित करेंगे. ग्राम्य विकास विभाग इस कार्यक्रम का समन्वय करेगा तथा सांसद एवं विधायक सक्रिय रूप से इसमें सहभागिता करेंगे. मुख्यमंत्री ने सभी जनप्रतिनिधियों एवं पदाधिकारियों को प्रबुद्ध जनों, शिक्षाविदों, चिकित्सकों, उद्यमियों, व्यापारिक संगठनों तथा समाज के विभिन्न वर्गों के साथ वन-टू-वन संवाद स्थापित करने के निर्देश दिए. उन्होंने कहा कि सरकार की उपलब्धियों, योजनाओं और विकसित भारत की परिकल्पना को लेकर व्यापक जनसंवाद स्थापित किया जाए.

मुख्यमंत्री ने कहा कि 05 जून को विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर 'एक पेड़ मां के नाम' अभियान के अंतर्गत प्रदेशव्यापी वृहद वृक्षारोपण कार्यक्रम आयोजित किए जाएं. प्रत्येक विकास खंड एवं नगरीय निकाय में पर्यावरण संरक्षण, जल संवर्धन, स्वच्छता एवं स्वास्थ्य जागरूकता से संबंधित गोष्ठियों का आयोजन किया जाए. अभियान में जनप्रतिनिधियों, ग्राम प्रधानों, स्वयं सहायता समूहों, युवाओं, विद्यार्थियों, सामाजिक संगठनों, उद्यमियों तथा आमजन की व्यापक सहभागिता सुनिश्चित की जाए, ताकि इसे जनआंदोलन का स्वरूप दिया जा सके. प्रदेश को सिंगल यूज प्लास्टिक मुक्त बनाने के उद्देश्य से विशेष जनजागरूकता अभियान संचालित किया जाए. सभी कार्यक्रमों के माध्यम से पर्यावरण संरक्षण एवं प्लास्टिक मुक्त जीवनशैली के प्रति जनजागरूकता बढ़ाने के लिए व्यापक जनसहभागिता सुनिश्चित की जाए.

बैठक में बताया गया कि 08 जून से 14 जून तक जनसंपर्क अभियान, संवाद कार्यक्रम और पैदल मार्च आयोजित किए जाएंगे. 11 एवं 12 जून को मीडिया संवाद कार्यक्रम होंगे, जबकि इसके उपरांत मंत्रीगण जनपद स्तर पर मीडिया प्रतिनिधियों से संवाद करेंगे. 13 एवं 14 जून को सांसद एवं विधायक अपने-अपने क्षेत्रों में मीडिया संवाद के माध्यम से डबल इंजन सरकार की उपलब्धियों एवं विकास कार्यों की जानकारी साझा करेंगे.

16 एवं 17 जून को जिला स्तर पर विकसित भारत संकल्प सम्मेलन होंगे आयोजित- सीएम योगी

मुख्यमंत्री ने निर्देश दिए कि 14 से 16 जून के बीच प्रदेश के सभी विकास खंडों एवं नगरीय निकायों में जनकल्याण मेलों का आयोजन किया जाए. इन मेलों में केंद्र एवं राज्य सरकार की उपलब्धियों पर आधारित प्रदर्शनियां लगाई जाएं तथा पात्र किन्तु वंचित लाभार्थियों को विभिन्न योजनाओं से जोड़ने के लिए विशेष अभियान संचालित किया जाए. साथ ही आरोग्य मेले, पशु स्वास्थ्य मेले और अन्य जनहितकारी गतिविधियों का आयोजन भी किया जाए. उन्होंने कहा कि 16 एवं 17 जून को जिला स्तर पर विकसित भारत संकल्प सम्मेलन आयोजित किए जाएं. इनमें विभिन्न योजनाओं के लाभार्थी अपने अनुभव साझा करें तथा प्रबुद्ध वर्ग, युवा, महिलाएं और सामाजिक संगठनों की अधिकतम सहभागिता सुनिश्चित की जाए.

मुख्यमंत्री ने निर्देश दिए कि युवाओं और विद्यार्थियों की सहभागिता बढ़ाने के लिए विभिन्न स्थानों पर ऑन द स्पॉट चित्रकला प्रतियोगिताओं का आयोजन किया जाए. प्राकृतिक खेती को बढ़ावा देने के उद्देश्य से विशेष गोष्ठियां आयोजित कर किसानों, कृषि विशेषज्ञों तथा किसान उत्पादक संगठनों (एफपीओ) को अभियान से जोड़ा जाए. स्वयं सहायता समूहों की महिलाओं के साथ संवाद स्थापित कर उन्हें सरकार की योजनाओं और विकास यात्रा से जोड़ने पर भी विशेष बल दिया जाए. 18 एवं 19 जून को केंद्र सरकार की 12 वर्षों की विकास यात्रा तथा विकसित भारत के संकल्प को प्रदर्शित करने के लिए विशेष प्रदर्शनियां आयोजित की जाएं. आकर्षक माध्यमों से उपलब्धियों का प्रभावी प्रदर्शन किया जाए.

700 से अधिक नगरीय निकायों में योग कार्यक्रम होंगे आयोजित- सीएम योगी

मुख्यमंत्री ने कहा कि 21 जून को अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर प्रदेश के सभी 825 विकास खंडों एवं 700 से अधिक नगरीय निकायों में योग कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे. मुख्यमंत्री ने कहा कि यह अभियान केवल उपलब्धियों के प्रचार-प्रसार तक सीमित न रहकर जनता से सीधे संवाद स्थापित करने, लाभार्थियों तक पहुंचने, उनकी अपेक्षाओं को समझने तथा विकसित भारत और विकसित उत्तर प्रदेश के संकल्प को सशक्त जनआंदोलन में परिवर्तित करने का प्रभावी माध्यम बनना चाहिए.

पीएम मोदी के मेलोडी टॉफी गिफ्ट से किसान को आया शानदार आइडिया, अनाज से बनाई जार्जिया मेलोनी की तस्वीर

(एजेंसी)।

नर्मदापुरमः प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने हाल ही में अपने विदेश दौरे पर इटली की प्रधानमंत्री जॉर्जिया मेलोनी से मुलाकात की थी. इस दौरान नरेंद्र मोदी ने जॉर्जिया मेलोनी को मेलोडी चॉकलेट गिफ्ट की थी. इससे प्रेरित होकर नर्मदापुरम के किसान योगेंद्र पाल सोलंकी ने अनाज और देश में बनी चॉकलेट से इटली की प्रधानमंत्री की तस्वीर बनाई है.

भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी हाल ही में 5 देशों की विदेश यात्रा पर गए थे. इस दौरान उन्होंने इटली की प्रधानमंत्री जॉर्जिया मेलोनी को भारत में बनी मेलोडी चॉकलेट का पैकेट भेंट किया था.

किसान योगेंद्र पाल का कहना है, "यह केवल एक साधारण उपहार नहीं, बल्कि भारतीय संस्कृति, परंपरा और आत्मीयता का प्रतीक था. पूरी दुनिया अभी आर्थिक मंदी के दौर से गुजर रही है और उसके प्रभाव की आहट हमारे देश में देखी जा रही है. ऐसे समय में प्रधानमंत्री द्वारा विदेशी यात्रा के दौरान किसी महंगे विदेशी उपहार के बजाय भारत में प्रचलित एक साधारण घरेलू उत्पाद को भेंट स्वरूप ले जाया करते थे. इससे करना अत्यंत प्रेरणादायक है."

किसान योगेंद्र पाल सिंह ने बताया, "हमारी भारतीय सनातनी परंपरा में यह मान्यता रही है कि जब परिवार या समाज आर्थिक चुनौतियों से गुजर रहा हो, तब दिखावे और फिजूलखर्ची से बचते हुए सादगी और आत्मनिर्भरता को अपनाया जाए. पुराने समय में जब लोग किसी रिश्तेदारी या मेहमानी में जाते थे, तो घर में बने उत्पाद, मिठाइयां या स्थानीय वस्तुएं ही भेंट स्वरूप ले जाया करते थे. इससे आत्मीयता भी बनी रहती थी और स्थानीय उत्पादों को सम्मान भी मिलता था.

योगेंद्र पाल कहते हैं, "इसी परंपरा का अनुसरण करते हुए प्रधानमंत्री मोदी जी द्वारा मेलोडी चॉकलेट भेंट करना भारतीय संस्कृति, सादगी, स्वदेशी भावना और आर्थिक संयम का प्रतीक माना जा सकता है. यह संदेश देता है कि छोटे और स्थानीय उत्पाद भी विश्व मंच पर भारत की पहचान बना सकते हैं. यह घटना हमें यह भी सिखाती है कि आत्मनिर्भर भारत की भावना केवल बड़े उद्योगों तक सीमित नहीं है, बल्कि हमारे दैनिक जीवन और व्यवहार में भी झलकनी चाहिए."

सलमान खान को धमकी देने वाला लखनऊ में गिरफ्तार; प्रयागराज का है हिस्ट्रीशीटर

DCP पूर्वी दीक्षा शर्मा ने बताया कि गुरुवार को पुलिस की टीम ने अभियुक्त को बंधा रोड थाना गाजीपुर के पास से गिरफ्तार किया.

लखनऊः पुलिस ने 25,000 के ईनामी शातिर अभियुक्त को गिरफ्तार किया है. अभियुक्त पर पहले से ही एक दर्जन से अधिक मुकदमे पंजीकृत है. अभियुक्त द्वारा अभिनेता सलमान खान को फोन कर धमकी दी थी. वह मुकदमा मुंबई के बांद्रा थाने में दर्ज हुआ था.

लखनऊ पुलिस द्वारा जारी प्रेस विज्ञप्ति के मुताबिक, अभियुक्त यूपी के प्रयागराज जिले का रहने वाला है. अपने साथी के साथ मिलकर चेन स्नेचिंग की घटना को अंजाम देता है. लखनऊ में भी अभियुक्त शाहरुख ने लगभग 3 सप्ताह पहले इंदिरा नगर के इरम कांवेंट स्कूल के पास एक महिला की चेन लूट ली थी. इसका मुकदमा गाजीपुर थाने में पंजीकृत कराया गया था.

DCP पूर्वी दीक्षा शर्मा ने बताया कि 3 सप्ताह पहले इंदिरा नगर गाजीपुर निवासी विनय गुप्ता ने दो अज्ञात बाइक सवार युवकों पर उनकी पत्नी के गले में पहनी सोने की चेन झपट्टा मारकर लूट लेने के संबंध में मुकदमा पंजीकृत कराया था. मुकदमे के खुलासे के लिए टीम बनाई गई थी. गुरुवार को पुलिस की टीम ने अभियुक्त को बंधा रोड थाना गाजीपुर के पास से गिरफ्तार किया.

अभियुक्त ने अपना नाम शाहरुख उर्फ शेरा बताया. अभियुक्त के कब्जे से लूटी गए चेन और 8000 रुपए नगद बरामद किए गए. शाहरुख प्रयागराज का चिन्हित हिस्ट्रीशीटर है. इसके खिलाफ करेली, खुल्दाबाद, शाहगंज और धूमनगंज थानों में 15 से 20 आपराधिक मुकदमे दर्ज हैं. रंगदारी, हत्या का प्रयास, बमबाजी और अवैध हथियार रखने के मुकदमे पंजीकृत हैं.

सलमान खान को दी थी धमकी: नवंबर 2018 में शेरा ने सलमान खान के पिता सलीम खान और उनके पीए को फोन पर जान से मारने की धमकी दी थी. इसने 13 से 15 नवंबर के बीच कई कॉल्स किए थे. उसने खुद को अंडरवर्ल्ड डॉन छोटा शकील का गुर्गा और फोन पर डीजीपी साहब बताया था.

पुलिस पूछताछ में सामने आया कि वह फिल्म इंडस्ट्री में 'गॉडफादर' की तलाश में था. सलमान खान से बात करके काम मांगना चाहता था. जब उसकी बात नहीं मानी गई तो उसने धमकियां दीं. 15 नवंबर 2018 को मुंबई के बांद्रा पुलिस स्टेशन में FIR दर्ज हुई. 17 नवंबर को मुंबई क्राइम ब्रांच की टीम ने यूपी पुलिस की मदद से उसे प्रयागराज के करेली से गिरफ्तार किया था.

मुंबई से जमानत पर छूटने के बाद शेरा ने 8 जून 2019 को व्यापारी हमदान और 15 मार्च को मो. फराज पर जानलेवा हमला किया था. पुलिस ने 25 हजार रुपए के ईनामी बदमाश को लीडर रोड स्थित कूड़ाघर के पास मुठभेड़ में गिरफ्तार किया था.

करेली पुलिस स्टेशन के अकबरपुर इलाके में नकदी लूट की जांच के दौरान पुलिस टीम की शेरा की गैंग के साथ मुठभेड़ हुई. इस फायरिंग में शेरा के पैर में गोली लगी और उसे गिरफ्तार कर अस्पताल में भर्ती कराया गया.

जुलाई 2023 में शाहरुख उर्फ शेरा की फोटो सोशल मीडिया पर वायरल हुई, जिसमें वह कार में सरेआम रिवॉल्वर लहराता हुआ नजर आ रहा था. उसी दौरान उसका एक ऑडियो भी सामने आया था. ऑडियो में वह खुद को छोटा शकील का आदमी बताते हुए धमकी दे रहा था और माफिया अतीक अहमद के लिए अपनी 'जान देने और लेने' की बात कह रहा था.

रहे घुमंतू समुदायों के युवा, हर सप्ताह मिलेगा प्रशिक्षण

राज्यमंत्री असीम अरुण ने कहा कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में प्रदेश सरकार समाज के अंतिम पंक्ति में खड़े लोगों को मुख्यधारा से जोड़कर लगातार काम कर रही है.

(एजेंसी)।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के मार्गदर्शन में उत्तर प्रदेश सरकार समाज के वंचित और पिछड़े वर्गों को आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में लगातार प्रभावी कदम उठा रही है. इसी कड़ी में शुक्रवार को लखनऊ के भागीदारी भवन में आयोजित उद्यमिता विकास कार्यक्रम ने विमुक्त, घुमंतू और अर्द्धघुमंतू समुदायों के युवाओं को स्वरोजगार और आर्थिक सशक्तिकरण का नया मार्ग दिखाया. कार्यक्रम में सरकारी योजनाओं की जानकारी देकर युवाओं को रोजगार सृजन और आत्मनिर्भरता के लिए प्रेरित किया गया.

इस दौरान राज्यमंत्री असीम अरुण ने कहा कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में प्रदेश सरकार समाज के अंतिम पंक्ति में खड़े लोगों को मुख्यधारा से जोड़कर लगातार काम कर रही है. उन्होंने कहा कि योगी सरकार का उद्देश्य युवाओं को नौकरी तलाशने वाला नहीं, बल्कि रोजगार देने वाला बनाना है. इसके लिए विभिन्न स्वरोजगार और उद्यमिता योजनाओं को प्रभावी तरीके से लागू किया जा रहा है.

'बीजेपी सरकार ने साबित कर दिया...', ळटउ सांसद अभिषेक बनर्जी पर हुए हमले पर बोले अखिलेश यादव

उन्होंने युवाओं से अपील करते हुए कहा कि छोटे-छोटे समूह बनाकर सरकारी योजनाओं का लाभ उठाएं और अपना व्यवसाय शुरू करें. इससे आर्थिक मजबूती के साथ सामाजिक सम्मान भी बढ़ेगा. उन्होंने कहा कि उद्यमिता ही आत्मनिर्भरता और समृद्धि का सबसे प्रभावी माध्यम है.

हर सप्ताह आयोजित किया जाएगा प्रशिक्षण कार्यक्रम

कार्यक्रम में प्रधानमंत्री आदर्श ग्राम योजना (पीएम अजय-जीआईए), प्रधानमंत्री रोजगार सृजन कार्यक्रम, मुख्यमंत्री युवा उद्यमी योजना, सीएम युवा योजना, ओडीओपी, विश्वकर्मा सर्वसम्मान योजना, स्टैंड-अप इंडिया, स्टार्ट-अप इंडिया और प्रधानमंत्री मुद्रा योजना जैसी योजनाओं की विस्तृत जानकारी दी गई. कार्यक्रम का विशेष आकर्षण वन-टू-वन काउंसलिंग सत्र रहा, जिसमें युवाओं को उनकी रुचि और जरूरत के अनुसार व्यक्तिगत सलाह दी गई. उप निदेशक आनंद कुमार सिंह ने बताया कि इस तरह के प्रशिक्षण कार्यक्रम हर सप्ताह आयोजित किए जाएंगे, ताकि अधिक से अधिक युवाओं को उद्यमिता से जोड़कर आत्मनिर्भर बनाया जा सके.

लखनऊ में बसों यात्रियों के लिए बुरी खबर, बस कर्मचारियों का गुस्सा फूटा, इन 22 रूटों पर नहीं चलीं बसें

(एजेंसी)।

लखनऊ में सिटी बस कर्मचारियों की हड़ताल के कारण 22 रूटों पर 115 बसों का संचालन ठप हो गया। करीब 20 हजार यात्रियों को परेशानी का सामना करना पड़ा। कर्मचारी वेतन, भर्ती और अन्य मांगों को लेकर विरोध कर रहे हैं। हड़ताल जारी रहने से यात्रियों को मेट्रो, ऑटो और ई-रिक्शा का सहारा लेना पड़ रहा है।

राजधानी की लाइफलाइन सिटी बसें अफसरों के मनमाने आदेश का शिकार हो गई हैं। शुक्रवार को 500 चालक-परिचालक व कर्मचारी आदेश से नाराज होकर हड़ताल पर चले गए, जिससे संचालन ठप हो गया। इससे करीब 20 हजार यात्री परेशान हुए। कर्मचारियों ने कार्य बहिष्कार कर दुबग्गा बस डिपो में धरना दिया। देर शाम तक उन्हें मनाने के प्रयास किए गए, पर बात नहीं बनी।

शुक्रवार सुबह सड़कों पर यात्री नियमित रूप से सिटी बसों का इंतजार कर रहे थे। हजरतगंज से लेकर इंजीनियरिंग कॉलेज व एयरपोर्ट से लेकर अवध बस अड्डे तक यात्री सिटी बसों के लिए खड़े रहे, लेकिन दूसरी ओर दुबग्गा डिपो से बसें बाहर ही नहीं निकलीं। चालकों, परिचालकों व कर्मचारियों के हड़ताल पर चले जाने से बसें सड़कों पर नहीं उतरीं।

दुबग्गा में प्रदर्शन कर रहे कर्मचारियों को समझाने के लिए मौके पर पुलिस भी पहुंची, लेकिन

प्रदर्शनकारी नहीं माने और तीन सूत्री मांगों को लेकर नारेबाजी करते रहे। सूचना पर पहुंचे सिटी ट्रांसपोर्ट के एमडी अमरनाथ सहाय ने बकाया वेतन 24 घंटे में देने और भ्रष्टाचार के मामले में जांच का आश्वासन दिया, लेकिन तीसरी मांग पर कहा गया कि बोर्ड बैठक में तय हुआ है कि वर्ष 2021 में मेरिट के आधार पर भर्ती हुए संविदा बस कंडक्टर समितियों के जरिये भर्ती किए जाएंगे। इसी आदेश के खिलाफ कर्मचारियों का गुस्सा फूट पड़ा है। शनिवार को भी हड़ताल जारी रखने की बात कर्मचारी कह रहे हैं।

115 सिटी बसों का संचालन ठप, यात्री परेशान

दुबग्गा सिटी बस डिपो से 22 रूटों पर 115 ई सिटी बसें चलाई जा रही हैं। शुक्रवार को सिटी बसों की हड़ताल के बाद सभी रूटों पर दैनिक यात्री बसों के इंतजार में परेशान नजर आए। इसमें कमता, ट्रांसपोर्टनगर, हजरतगंज, चारबाग, मोहनलालगंज, बालागंज, अपट्रान, शहीदपथ, अहिमामऊ, तेलीबाग, पीजीआई आदि के यात्री बसों का इंतजार करते रहे। दैनिक यात्रियों ने लखनऊ सिटी ट्रांसपोर्ट के हेल्पलाइन नंबर 18001805014 पर फोन कर सिटी बसों की जानकारी भी लेते रहे।

आज भी सिटी बसों की रहेगी हड़ताल

सिटी बसों की हड़ताल अभी खत्म नहीं हुई हैं। बोर्ड से जारी आदेश के खिलाफ कर्मचारियों की नाराजगी बनी हुई है। सिटी ट्रांसपोर्ट अधिकारियों ने बताया कि दो मांगें मान ली गई हैं। बोर्ड से जारी आदेश को वापस लेने का अधिकार उनका नहीं है। इसे बोर्ड अध्यक्ष ही वापस ले सकते हैं।

मेट्रो-ई रिक्शा और ऑटो बनेंगे विकल्प

सिटी बसों से रोजाना सफर करने वाले दैनिक यात्रियों की मुसीबतें शनिवार को भी बनी रहने की आशंका है। ऐसे में सिटी बसों की हड़ताल के बाद दैनिक यात्रियों के लिए विकल्प के तौर पर मेट्रो, ई रिक्शा और ई ऑटो का रास्ता है।

घट रहा है सिटी बसों का बेड़ा

लखनऊ सिटी बसों का बेड़ा लगातार घटता जा रहा है। 250 से घटकर 140 ही सिटी बसें रह गई हैं। सिटी ट्रांसपोर्ट का दावा है कि शहर के प्रमुख रूटों पर हर 15 मिनट में ई-बस उपलब्ध हो रही है, लेकिन हकीकत इससे इतर है। आधे से पौन घंटे तक इंतजार करना पड़ता है। अफसरों की लापरवाही से कर्मचारियों का गुस्सा दिन पर बढ़ता जा रहा है।

पुणे से दिल्ली जा रहा विमान लखनऊ डायवर्ट, पायलट की ड्यूटी खत्म होने पर उड़ान हुई कैंसिल; यात्रियों ने काटा हंगामा

पुणे से दिल्ली जा रही एअर इंडिया एक्सप्रेस की उड़ान दिल्ली में खराब मौसम के कारण लखनऊ डायवर्ट की गई।

(एजेंसी)।

लखनऊ। पुणे से दिल्ली जा रहे एक विमान को वहां मौसम खराब होने के कारण लखनऊ डायवर्ट कर दिया गया। विमान लखनऊ के चौधरी चरण सिंह अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट पर उतरा तो पायलट और क्रू स्टाफ ने ड्यूटी का समय पूरा होने पर उड़ान निरस्त कर दी।

यात्रियों की नाराजगी बढ़ी तो कई यात्रियों को देर रात दूसरे विमान से दिल्ली भेजा गया, जबकि कुछ यात्री शनिवार सुबह रवाना हुए।

एअर इंडिया एक्सप्रेस का विमान

आईएक्स-1231 पुणे से दिल्ली जा रहा था। दिल्ली पहुंचने पर वहां का खराब मौसम के कारण उसे लखनऊ डायवर्ट कर दिया गया। शुक्रवार रात 9:40 बजे विमान लखनऊ में उतरा।

इस विमान में 166 यात्री सवार थे। विमान बहुत देर तक दिल्ली में मौसम ठीक होने के इंतजार में खड़ा रहा। इस बीच पायलट और क्रू स्टाफ की डीजीसीए नियमों के तहत निर्धारित ड्यूटी की अवधि पूरी हो गई।

पायलट ने विमान में आगे सेवा देने से मना कर दिया। विमान निरस्त होते ही यात्री नाराज हो गए। एयरलाइन के अधिकारियों ने

154 यात्रियों को रात 1:14 बजे एअर इंडिया एक्सप्रेस के विमान आईएक्स-2073 से दिल्ली भेजा। वहीं, बचे हुए 12 यात्रियों को शनिवार सुबह 7:55 बजे विमान आईएक्स-1767 से भेजा गया। दिल्ली के छह विमानों को जयपुर सहित दूसरे एयरपोर्ट भेजा गया था।

देश के इतिहास में पहली बार 22 राज्यों के कृषि मंत्री एक साथ एक मंच पर

(एजेंसी)।

नई दिल्ली स्थित कृषि अनुसंधान के प्रमुख केंद्र पूसा परिसर में 28 और 29 मई को आयोजित दो दिवसीय खरीफ कॉन्फ्रेंस में, देश के इतिहास में पहली बार 22 राज्यों के कृषि मंत्री एक साथ एक मंच पर जुटे और देश की कृषि और किसानों की जिंदगी बेहतर बनाने का संकल्प लिया। यह केवल एक नियमित समीक्षा बैठक बनकर नहीं रही, बल्कि भारतीय कृषि के लिए संकल्प, समन्वय और जमीनी क्रियान्वयन का राष्ट्रीय मंच बनकर उभरी। केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण तथा ग्रामीण विकास मंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान की अध्यक्षता में पहले दिन राज्यों के कृषि और बागवानी विभागों के वरिष्ठ अधिकारियों ने गहन विचार-विमर्श किया, जबकि दूसरे दिन भी श्री शिवराज सिंह चौहान पूरे समय रहे और उनकी मौजूदगी में राज्यों के कृषि मंत्रियों ने पहली बार रात तक मंथन कर खरीफ, दलहन-तिलहन आत्मनिर्भरता, संतुलित उर्वरक उपयोग, प्राकृतिक खेती और 'खेत बचाओ अभियान' जैसे मुद्दों पर एक साझा दिशा तय की। सम्मेलन की सबसे उल्लेखनीय बात यह रही कि श्री शिवराज सिंह की अपील पर कृषि मंत्रियों ने केवल नीतिगत समर्थन तक

सीमित न रहते हुए, अपने निजी खेतों में भी प्राकृतिक खेती के प्रयोग का संकल्प लिया, ताकि किसानों के सामने उदाहरण प्रस्तुत किया जा सके।

राष्ट्रीय राजधानी के पूसा संस्थान में 28 और 29 मई को संपन्न राष्ट्रीय खरीफ कॉन्फ्रेंस ने एक बार फिर यह स्पष्ट कर दिया है कि केंद्र सरकार प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में कृषि को केवल उत्पादन के प्रश्न के रूप में नहीं, बल्कि मिट्टी, पर्यावरण, पोषण, किसान आय और आने वाली पीढ़ियों के भविष्य से जुड़े व्यापक राष्ट्रीय दायित्व के रूप में देख रही है। सम्मेलन में श्री शिवराज सिंह ने किसानों को लाभ देने के लिए प्रक्रियाओं को सरल करने पर राज्य सरकारों से जोर देकर कहा।

दो दिवसीय इस सम्मेलन में पहले दिन देशभर से आए राज्यों के कृषि और बागवानी विभागों के वरिष्ठ अधिकारियों ने खरीफ सीजन की तैयारियों, बीज, उर्वरक, फसल नियोजन, जल प्रबंधन और क्षेत्रवार चुनौतियों पर विस्तार से विचार किया। इस दौरान प्रारंभिक संबोधन के बाद केंद्रीय कृषि मंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान हॉल में पीछे की तरफ एक प्रतिभागी के रूप में पूरे समय बैठे। अगले दिन श्री शिवराज सिंह की अध्यक्षता में राज्यों के कृषि मंत्रियों ने इस विचार-मंथन को आगे बढ़ाते हुए इसे नीतिगत प्रतिबद्धता और साझा संकल्प का स्वरूप दिया।

सम्मेलन के समापन पर श्री शिवराज सिंह चौहान ने प्रतिभागियों की गंभीरता, तन्मयता और मनोयोग की सराहना करते हुए कहा कि उन्होंने इतने समर्पण के साथ अधिकारियों और मंत्रियों की भागीदारी बहुत कम अवसरों पर देखी है। उनका यह वक्तव्य सम्मेलन की उस भावना को रेखांकित करता है, जिसमें उपस्थित प्रतिनिधियों ने स्वयं को केवल प्रशासक नहीं, बल्कि चिंतक, साधक और परिवर्तन के वाहक के रूप में प्रस्तुत किया।

लखनऊ को मिला नया डीएमओ, उ.प्र. में 15 अधिकारियों का तबादला

शासन ने 15 जिला अल्पसंख्यक कल्याण अधिकारियों (डीएमओ) का तबादला किया है। पवन कुमार सिंह को लखनऊ का नया डीएमओ नियुक्त किया गया है। .

(एजेंसी)।

लखनऊ। तबादलों की समय सीमा खत्म होने के एक दिन पहले शासन ने 15 जिला अल्पसंख्यक कल्याण अधिकारियों का तबादला कर दिया है। पवन कुमार सिंह को लखनऊ का जिला अल्पसंख्यक कल्याण अधिकारी (डीएमओ) बनाया गया है।

चित्रकूट के डीएमओ महेन्द्र नाथ प्रताप को इसी पद पर महोबा भेजा गया है। संभल के डीएमओ दिलीप कुमार को मुरादाबाद भेजा गया है।अमरोहा के डीएमओ नौशाद हुसैन को बरेली भेजा गया है।

हापुड़ की डीएमओ सुनीता मनदार अब गौतमबुद्धनगर की डीएमओ होंगी।बागपत के डीएमओ कैलाश चन्द्र तिवारी को गाजियाबाद भेजा गया है। बस्ती मंडल की उपनिदेशक प्रियंका अवस्थी को बस्ती जिले के डीएमओ का अतिरिक्त चार्ज दिया गया है।

गोरखपुर मंडल के उपनिदेशक बिनोद कुमार जायसवाल से देवरिया के डीएमओ का अतिरिक्त चार्ज वापस लिया गया है। रिक्त पद पर कमलेश कुमार मौर्य को देवरिया भेजा गया है।

हाथरस के डीएमओ जहीर अब्बास को श्रावस्ती भेजा गया है। रमेश चन्द्र सेकेन्ड को सुलतानपुर का डीएमओ बनाया गया है। अयोध्या के डीएमओ अमित प्रताप सिंह को कानपुर भेजा गया है। सुनीता देवी को सुलतानपुर से हटाकर अंबेडकरनगर का डीएमओ नियुक्त किया गया है।

अंबेडकर नगर में तैनात रहे छोटेलाल प्रतापगढ़ भेजे गये हैं। फतेहपुर में तैनात रहे प्रशांत साहू को कानपुर देहात भेजा गया है। प्रवीण कुमार मिश्र अब संत कबीरनगर के डीएमओ होंगे।

वाइस एडमिरल संजय वात्सायन, पीवीएसएम, एवीएसएम, एनएम ने पश्चिमी नौसेना कमान के फ्लैग ऑफिसर कमांडिंग-इन-चीफ का पदभार संभाला

(एजेंसी)।

वाइस एडमिरल संजय वात्सायन, पीवीएसएम, एवीएसएम, एनएम ने 30 मई 2026 को मुंबई में आयोजित एक औपचारिक परेड में पश्चिमी नौसेना कमान के फ्लैग ऑफिसर कमांडिंग-इन-चीफ का पदभार ग्रहण कर लिया है। इससे पहले, उन्होंने नौसेना मुख्यालय, नई दिल्ली में नौसेना स्टाफ के उप प्रमुख के रूप में कार्य किया। उन्होंने पदभार ग्रहण करने के अवसर पर गौरव स्तम्भ, नौसेना डॉकयार्ड, मुंबई में राष्ट्र की सेवा में सर्वोच्च बलिदान देने वाले बहादुरों को श्रद्धांजलि अर्पित की।

राष्ट्रीय रक्षा अकादमी, खडकवासला पुणे के पूर्व छात्र, फ्लैग ऑफिसर को 01 जनवरी 1988 को भारतीय नौसेना में नियुक्त किया गया था। तोप और मिसाइल प्रणालियों के विशेषज्ञ के तौर पर, तीन दशकों से अधिक के अपने विशिष्ट नौसेना करियर के दौरान, उन्होंने समुद्र और जमीन पर कमांड, परिचालन, स्टाफ और प्रशिक्षण से जुड़े विभिन्न प्रकार

के दायित्वों का निर्वहन किया है।

फ्लैग ऑफिसर ने विभिन्न फ्रंटलाइन युद्धपोतों पर अपनी सेवाएं दी हैं, जिसमें तटरक्षक पोत सी-05, मिसाइल पोत आईएनएस विभूति और नाशक, मिसाइल युद्धपोत आईएनएस कुठार तथा गाइडेड मिसाइल फ्रिगेट आईएनएस स'ाद्री की कमान संभालना भी शामिल है। डिफेंस सर्विसेज स्टाफ कॉलेज, वेलिंगटन, नौसेना युद्ध महाविद्यालय, गोवा और प्रतिष्ठित राष्ट्रीय रक्षा महाविद्यालय, नई दिल्ली के स्नातक, फ्लैग ऑफिसर ने प्रमुख रणनीतिक और नीति-उन्मुख स्टाफ भूमिकाओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन किया है। उन्होंने नौसेना मुख्यालय में कार्मिक और योजना निदेशालयों में स्टाफ संबंधी दायित्वों का निर्वहन किया है, जिसमें 'फ्लैग रैंक' पर पदोन्नति के बाद 'सहायक नौसेना प्रमुख (नीति और योजना)' का पद भी शामिल है। इसके बाद, उन्होंने भारतीय नौसेना के पूर्वी बेड़े की कमान संभाली और राष्ट्रीय रक्षा अकादमी के उप-कमांडेंट तथा पूर्वी नौसेना कमान के चीफ ऑफ स्टाफ के रूप में अपनी सेवाएं दीं।

उन्होंने मुख्यालय एकीकृत रक्षा स्टाफ (डीसीआईडीएस) में ऑपरेशन्स और डीसीआईडीएस (नीति, योजनाएं और सेना के विकास) के उप प्रमुख के रूप में भी कार्य किया है। इस दौरान उन्होंने ऑपरेशनों के समन्वय, एकीकरण और संयुक्तता को बढ़ाने, सेना के विकास तथा तीनों सेनाओं में स्वदेशीकरण को बढ़ावा देने वाली नीतियां बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।

पश्चिमी नौसेना कमान के फ्लैग ऑफिसर कमांडिंग-इन-चीफ का कार्यभार संभालने से पहले वे नौसेना स्टाफ के 47वें वाइस चीफ थे और भारतीय नौसेना की क्षमता

ढाई साल से फरार 20 हजार का इनामी लखनऊ से गिरफ्तार; पुलिस व सर्विलांस टीम ने दबोचा

पुलिस टीम को सटीक जानकारी मिली तो साक्ष्यों के आधार पर मेराजुल हसन को गिरफ्तार किया.

(एजेंसी)।

कानपुरः ढाई साल से फरार चल रहा 20 हजार रुपये के इनामी बदमाश मेराजुल हसन को थाना जाजमऊ पुलिस व सर्विलांस टीम ने शुक्रवार को चारबाग के एक होटल से गिरफ्तार किया है. अपर पुलिस उपायुक्त पूर्वी शिवा सिंह ने बताया कि पिछले काफी दिनों से सर्विलांस टीम को ये सूचना मिल रही थी कि मेराजुल हसन लखनऊ में रह रहा है. जैसे ही पुलिस टीम को सटीक जानकारी मिली तो साक्ष्यों के आधार पर उसे गिरफ्तार किया गया है.

अपर पुलिस उपायुक्त पूर्वी शिवा सिंह ने कहा कि मेराजुल पर कई मुकदमे दर्ज हैं. जाजमऊ पुलिस को

कई दिनों से कर्नलगंज निवासी मेराजुल की तलाश थी. साल 2023 में विष्णु सैनी ने दर्ज कराया था. मुकदमा, कई की हुई थी गिरफ्तारी एडीसीपी पूर्वी शिवा सिंह ने कहा, साल 2023 में वादी विष्णु सैनी ने आरोपी मेराजुल के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया था. उस मुकदमे में शौकत अली समेत अन्य नौ आरोपियों के नाम भी थे.

कई आरोपियों को उस समय ही अरेस्ट कर जेल भेजा गया था. हालांकि, तब से मेराजुल फरार चल रहा था. मेराजुल की तलाश में पुलिस टीमों ने कई शहरों में छापेमारी की थी, फिर जैसे ही पुलिस को कुछ दिनों पहले पता लगा, वह लखनऊ आया. टीम के सदस्यों ने आरोपी के खिलाफ सारे साक्ष्य एकत्रित करने के बाद उसे अरेस्ट कर लिया और जेल भेज दिया.

कमिश्नरेट पुलिस की ओर से आरोपियों की धरपकड़ का अभियान तेजः शहर में कमिश्नरेट पुलिस की ओर से ऐसे आरोपियों को पकड़ने का अभियान तेज कर दिया गया है, जो पिछले कई दिनों से फरार हैं और उन पर ईनाम घोषित है. कुछ दिनों पहले भी कमिश्नरेट पुलिस की ओर से 25 हजार व 50 हजार के ईनामी आरोपियों की गिरफ्तारी की गई थी.

उमरोई सैन्य स्टेशन में आयोजित बहुपक्षीय अभ्यास 'प्रगति 2026' का प्रथम आयोजन 72 घंटे के परीक्षण अभ्यास के साथ संपन्न

(एजेंसी)।

मेघालय के उमरोई सैन्य स्टेशन में आयोजित बहुपक्षीय अभ्यास 'प्रगति 2026' का प्रथम आयोजन 72 घंटे के परीक्षण अभ्यास के साथ संपन्न हुआ। इसमें भाग लेने वाले सशस्त्र बलों की परस्पर सहयोग क्षमता, आपसी विश्वास और साझा सुरक्षा चुनौतियों से निपटने के सामूहिक संकल्प का प्रदर्शन किया गया। इस कार्यक्रम में 13 मित्र देशों के छह उप प्रमुखों और 40 से अधिक वरिष्ठ सैन्य अधिकारियों ने भाग लिया। सेना के उप प्रमुख लेफ्टिनेंट जनरल धीरज सेठ ने सभी प्रतिभागी देशों के गणमान्य व्यक्तियों की मेजबानी की।

प्रगति का पूरा नाम है हिंद महासागर क्षेत्र में विकास और परिवर्तन के लिए क्षेत्रीय सेनाओं की साझेदारी। इस अभ्यास में भारत, भूटान, कंबोडिया, मलेशिया, मालदीव, म्यांमार, नेपाल, फिलीपींस, सेशेल्स, श्रीलंका, वियतनाम, इंडोनेशिया और लाओस के 400 से अधिक सैनिक एक साथ आए। यह अभ्यास समानता, मित्रता और आपसी सम्मान की भावना से आयोजित किया गया था, जिसने क्षेत्रीय साझेदारों को अनुभव साझा करने, सर्वोत्तम विधियों को अपनाने और सैन्य सहयोग को मजबूत करने के लिए एक साझा मंच प्रदान किया।

इस अभ्यास का मुख्य उद्देश्य अर्ध-पहाड़ी और जंगली इलाकों में आतंकवाद-विरोधी अभियान चलाना था। व्याख्यानों, प्रदर्शनों, अभ्यासों और विशेष कौशलों के माध्यम से व्यापक प्रशिक्षण प्राप्त करने के बाद, प्रतिभागियों ने 72 घंटे का परीक्षण अभ्यास किया, जिसने प्रशिक्षण के परिणामों को सुदृढ़ किया और अभ्यास के दौरान प्राप्त

परिचालन तालमेल को प्रदर्शित किया।

इस प्रशिक्षण में चट्टानों पर निशान बनाना, घात लगाकर हमला करने और जवाबी हमले का अभ्यास, रेंगना, जंगल में गोलीबारी, कमरे और बस में घुसपैठ, गुप्त विस्फोट उपकरणों का पता लगाना, घायलों को निकालना और अन्य विशिष्ट कौशल सहित कई प्रकार की गतिविधियां शामिल थीं। प्रतिभागी देशों के सैन्य कर्मियों से बनी मिश्रित टीमों ने एक साथ प्रशिक्षण लिया, जिससे अंतर-संचालनीयता, क्षमता निर्माण और आपसी विश्वास को बढ़ावा मिला।

इस अभ्यास की एक प्रमुख विशेषता सभी प्रतिभागियों द्वारा प्रदर्शित सौहार्द और सैनिक एकजुटता की भावना थी। सभी सैन्य कर्मियों ने कठिन प्रशिक्षण परिस्थितियों में एक साथ मिलकर काम किया, जिससे विभिन्न देशों की सशस्त्र सेनाओं को जोड़ने वाली साझा सैनिक भावना और भी मजबूत हुई।

इस अभ्यास ने सांस्कृतिक आदान-प्रदान और अनौपचारिक बातचीत के अवसर भी प्रदान किए, जिससे पेशेवर और व्यक्तिगत संबंधों को और भी मजबूती मिली।

इस अभ्यास के अंतर्गत, भारतीय सेना ने फेडरेशन ऑफ इंडियन चैंबर्स ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री (फिक्की) के सहयोग से भागीदार देशों के लिए रक्षा उपकरणों की प्रदर्शनी का आयोजन किया। भारतीय सेना के आर्मी डिजाइन ब्यूरो और फिक्की ने भारतीय रक्षा उद्योग द्वारा विकसित अत्याधुनिक स्वदेशी रक्षा उपकरणों और विशिष्ट तकनीकों की प्रदर्शनी में सहयोग दिया, जबकि भारतीय सेना ने वर्तमान में उपयोग किये जा रहे कुछ चुनिंदा नई पीढ़ी के उपकरणों का प्रदर्शन किया।